दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-186, भोपाल, शनिवार 21 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"एक मूल नियम है कि समान विचारधारा के व्यक्ति एक दूसरे के प्रति आकर्षित होते हैं। नकारात्मक सोच सुनिश्चित रुप से नकारात्मक परिणामों को आकर्षित करती है।

अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन से अब तक 8 लोगों की मौत, लापता महिला का शव बरामद

नई दिल्ली। नार्थ-ईस्ट के राज्यों में मूसलाधार बारिश अपना कहर बरपा रही है। अरुणाचल प्रदेश में भी भारी बारिश का असर देखने को मिल रहा है। कई जिलों में बारिश और भूस्खलन के चलते हालात खराब हैं। भूस्खलन के चलते राज्य में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है। अरुणाचल में भूस्खलन के बाद एक महिला लापता हो गई थी। अधिकारियों ने महिला का शव मिलने की पुष्टि की है। इसके साथ ही मृतकों का आंकड़ा अब 8 हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि राज्य के ज्यादातर हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से भारी बारिश हो रही है और कई जिलों से भूस्खलन की खबरें आ रही हैं।

संतुलन को बनाएं अपना संस्कार : राजनाथ सिंह

पुणे। पुणे में पाटिल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- मैं सभी छात्रों से कहना चाहता हूं कि सुख हो, दुख हो, लाभ हो या फिर हानि हो, जय हो या फिर पराजय हो। अपने जीवन में कभी भी अपना संतुलन नहीं खोना चाहिए। संतुलन को हमें अपना संस्कार बनाकर रखना चाहिए।

रेल मंत्री ने वंदे भारत ट्रेन का लिया जायजा

चेन्नई । चेन्नई के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने वंदे भारत ट्रेन के डिब्बों के निर्माण का जायजा लेने के लिए इंटीग्रल कोच फैक्ट्री का दौरा किया। उन्होंने कहा, 15 अगस्त, 2023 से पहले 75 ट्रेनों का उत्पादन किया जाएगा। ट्रेन के डिब्बों का नवीनतम संस्करण पिछले संस्करण की तुलना में अपग्रेड होगा।

राहुल गांधी ने बाढ़ पीड़ितों की मदद करने का किया आग्रह

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से असम में भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों की हर संभव सहायता करने का आग्रह किया। असम बाढ़ से 29 जिलों के सात लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई है।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे का अयोध्या दौरा स्थगित

नई दिल्ली। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे का अयोध्या दौरा फिलहाल स्थगित हो गया है। राज ठाकरे 5 जून को अयोध्या का दौरा करने वाले थे। राज ठाकरे ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। राज ठाकरे का दौरा स्थगित क्यों हुआ इसकी जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि उन्होंने कहा कि वह 22 मई को पुणे में होने वाली रैली में इसके बारे में बताएंगे। बता दें कि मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे 5 जून को अयोध्या जाने वाले थे। मनसे कार्यकर्ताओं ने अयोध्या दौरे की तैयारी भी शुरू कर दी थी। वहीं राज के अयोध्या दौरे का उत्तर प्रदेश के नेताओं ने कड़ा विरोध किया था।

लालू पर सीबीआई की रेड

पटना-दिल्ली समेत 17 ठिकानों पर छापा, रेलवे में नौकरी पाने वालों के घर भी कार्रवाई

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के 17 ठिकानों पर शुक्रवार को सीबीआई ने छापेमारी की है। रेलवे भर्ती बोर्ड में हुई गड़बड़ी के मामले में ये कार्रवाई हुई है। लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी और बेटी मीसा भारती के पटना, गोपालगंज और दिल्ली स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। गोपालगंज और दिल्ली में सीबीआई ने कार्रवाई पूरी कर ली है। रेलवे में नौकरी पाने वाले लोगों के घरों में भी सीबीआई ने छापा मारा है।

पटना में राबड़ी देवी और बड़े बेटे तेजप्रताप यादव से सीबीआई अलग-अलग कमरों में पूछताछ कर रही है। पूछताछ के लिए 3-3 अफसरों की दो टीमें बनाई गई है। वहीं दिल्ली में मीसा भारती के आवास पर लालू यादव से सीबीआई के एसपी और डीएसपी स्तर के अफसर पूछताछ में लगे थे। लालू से भर्ती से जुड़ी फाइलों के बारे में जानकारी ली गई।

लालू ने डॉक्टर बुलाने की मांग की

छापे के दौरान लालू प्रसाद यादव ने सीबीआई के अफसरों से डॉक्टर बुलाने की मांग की। उन्होंने ने कहा कि मेरी तबीयत ठीक नहीं है आप पहले डॉक्टर को बुला लीजिए। इसके साथ ही 2 वकीलों को भी बुलाया गया था। पटना में राबड़ी देवी से पूछताछ के लिए महिला आईपीएस अफसर भी पहुंची है।

क्या है पूरा मामला: दरअसल, ये मामला रेलवे भर्ती बोर्ड (आरआरबी) घोटाले से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि 2004 से 2009 के बीच जब लालू रेलमंत्री थे, उस दौरान जॉब लगवाने के बदले में जमीन और प्लॉट लिए गए थे। सीबीआई ने इसी मामले में जांच के बाद लालू और उनकी बेटी के खिलाफ नया केस दर्ज किया है। बिहार से भाजपा के सांसद और पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी ने कार्रवाई को लेकर कहा कि लालू के रेल मंत्री रहते भ्रष्टाचार का एक नया तरीका अपनाया गया था। लोगों को रेलवे के डी ग्रुप की नौकरी दी गई और बदले में उनसे पैसे की जगह जमीन ली गई। इधर, पटना में सीबीआई की कार्रवाई के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। राजद कार्यकर्ताओं ने छापे को राजनीति से प्रेरित बताते हुए इसे धरना और प्रदर्शन शुरू कर दिया है। छापे की शुरुआत में अफसरों ने लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप को पेड़ के नीचे बैठा दिया था।

राबड़ी आवास पर सीबीआई की 8 सदस्यीय टीम

पटना में सीबीआई की 8 सदस्यीय टीम 10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास पर पहुंची। टीम में महिला और पुरुष अधिकारी दोनों ही शामिल हैं। इस दौरान आवास में किसी को भी आने-जाने से रोक दिया गया। टीम दस्तावेजों को खंगाल रही है। पूर्व सीएम और लालू यादव की पत्नी राबड़ी देवी से पूछताछ की भी खबर है।

गोपालगंज में चार घंटे चली छापेमारी

गोपालगंज में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के करीबी और स्वरेजी हाई स्कूल के शिक्षक देवेंद्र यादव के घर करीब चार घंटे छापेमारी चली। सीबीआई की टीम आवश्यक कागजात के साथ देवेंद्र को भी अपने साथ ले गई। उनका घर उचकागांव थाना के इटावा गांव में है।

राजद कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

इधर, कार्रवाई की जानकारी मिलते ही राबड़ी आवास के बाहर कार्यकर्ताओं की भीड़ लग गई। कार्यकर्ता केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं। उनका कहना है कि ये सत्ता का दुरुपयोग है। विधान परिषद में मिली सफलता से भाजपा डर गई है। इसके चलते ये छापेमारी की गई है। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सुशील मोदी ने कहा है कि जब लालू रेल मंत्री थे तब वे नौकरी के बदले में लोगों से जमीन लिया करते थे। वे पहले नौकरी पाने वालों को किसी के नाम से जमीन दान करने के लिए कहते थे। 5-6 साल बाद वे उस जमीन को वापस अपने कब्जे में ले लेते थे।

रेलवे घोटाले का जिन्न एक बार फिर से आरजेडी सुप्रीमो और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सीबीआई ने रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (आरआरबी) घोटाले में नई एफआईआर दर्ज की है। मामला नौकरी के बदले जमीन लेने से जुड़ा है। ये जमीन पटना के खटाल इलाके में हैं।

नीतीश-लालू की नजदीकी से बौखलाई भाजपा

राजद के विधायक मुकेश रोशन राबड़ी देवी के आवास पर पहुंचे और उन्होंने कहा कि जब से नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव के बीच नजदीकियां बढ़ी हैं तब से भाजपा का सिर दर्द बढ़ गया है और केंद्र सरकार ने अपने तोते सीबीआई को राबड़ी देवी के आवास पर भेज दिया है। ऐसे समय में यह छापेमारी ठीक नहीं है, जब लालू प्रसाद का दिल्ली में इलाज चल रहा है और तेजस्वी यादव भी बाहर हैं।

मांझी ने तेजस्वी पर साधा निशाना

सीबीआई रेड पर तरह-तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है। राजद जहां इसे सत्ता का दुरुपयोग बता रहा है। वहीं पूर्व सीएम जीतनराम मांझी ने इशारों में लालू के छोटे बेटे तेजस्वी पर निशाना साधा है। उन्होंने ट्वीट किया- घर का भेदी लंका ढाए, मौका देखकर बाहर उड़ जाए। बता दें कि एक दिन पहले ही तेजस्वी अपनी पत्नी के साथ लंदन रवाना हुए हैं।

ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश, वाराणसी के जिला जज करें मुकदमे की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि मस्जिद के अंदर पूजा के मुकदमे की सुनवाई जिला न्यायाधीश द्वारा की जाए। वाराणसी के जिला न्यायाधीश मस्जिद समिति की याचिका पर फैसला करेंगे कि हिंदू पक्ष द्वारा मुकदमा चलने योग्य नहीं है और तब तक अंतरिम आदेश-शिवलिंग क्षेत्र की सुरक्षा, नमाज के लिए मुसलमानों को मुफ्त प्रवेश-जारी रहेगा। कोर्ट ने कहा कि जिला जज के पास 25 साल का लंबा अनुभव है। इस मामले में सभी पक्षों के हित को सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही यह भी कहा कि यह न समझा जाए कि हम मामले को निरस्त कर रहे हैं। आपके लिए आगे भी हमारे रास्ते खुले रहेंगे।

दिया यह आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को वाराणसी की ट्रायल कोर्ट को नंदी के सामने बनी दीवार को न गिराने का आदेश दिया था। कोर्ट ने कहा कि मामले में फिलहाल कोई भी आदेश ना दिया जाए। वहीं शीर्ष न्यायालय ने वाराणसी कोर्ट में भी इस मामले की सुनवाई गुरुवार के लिए टालने को कहा था। दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष ने सुनवाई टालने का विरोध किया था। उनका कहना था कि अगर सुनवाई टाली जाती है तो देश में कई और ऐसे मामले डाले जा सकते हैं।

हिंदू पक्ष ने दाखिल किया अपना जवाब

बता दें कि कोर्ट में याचिका मुस्लिम पक्ष की ओर से डाली गई है। उनका कहना है कि मस्जिद में सर्वे कराने का कोई औचित्य नहीं है। वहीं हिंदू पक्ष ने भी आज इसपर अपना जवाब दाखिल कर दिया है। हिंदू पक्ष की ओर से वकील विष्णु जैन ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद एक मस्जिद नहीं है, क्योंकि मुगल सम्राट औरंगजेब ने इस भूमि पर किसी मुस्लिम या मुसलमानों के निकाय को जमीन सौंपने के लिए वक्फ बनाने का कोई आदेश पारित नहीं किया था। जवाब में कहा गया है कि इतिहासकारों ने पुष्टि की है कि इस्लामिक शासक औरंगजेब ने 9 अप्रैल 1669 को एक आदेश जारी किया था जिसमें उनके प्रशासन को वाराणसी में भगवान आदि विशेश्वर के मंदिर को ध्वस्त करने का निर्देश दिया गया था।

सुनवाई के खास बिंदु

- सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद मामले को जिला न्यायाधीश वाराणसी को स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट का आदेश है कि उत्तर प्रदेश न्यायिक सेवा के वरिष्ठ और अनुभवी न्यायिक अधिकारी मामले की सुनवाई करेंगे।
- इस बीच सुप्रीम कोर्ट का सर्वे के दौरान मस्जिद परिसर में मिले शिवलिंग की जगह की सुरक्षा करने का अंतरिम आदेश लागू रहेगा।
- मस्जिद कमेटी के वरिष्ठ अधिवक्ता हुजेफा अहमदी ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि ट्रायल कोर्ट द्वारा शुरू से ही पारित सभी आदेश बड़ी सार्वजनिक शरारत करने में सक्षम हैं।
- सुप्रीम कोर्ट वाराणसी जिला अदालत के आदेश के खिलाफ अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद समिति की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर से सटे ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के वीडियोग्राफिक सर्वेक्षण का निर्देश दिया था।

ट्रायल कोर्ट में सर्वे रिपोर्ट पेश

वाराणसी कोर्ट की तरफ से नियुक्त स्पेशल असिस्टेंट कमिश्नर अजय प्रताप सिंह ने सर्वे रिपोर्ट ट्रायल कोर्ट में पेश कर दी है। सर्वे रिपोर्ट 10-15 पेज की है। रिपोर्ट पेश करने से पहले कोर्ट कमिश्नर विशाल सिंह ने बताया कि रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में दिया गया है जिसमें वीडियो चिप भी दाखिल की है।

महाराष्ट्र में भीषण सड़क हादसा

लकड़ियों से भरे ट्रक और पेट्रोल टैंकर में टक्कर के बाद लगी आग, 9 लोगों की जलकर मौत

चंद्रपुर, एजेंसी। महाराष्ट्र के चंद्रपुर में शुक्रवार तड़के हुई एक भीषण दुर्घटना में 9 लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक और पेट्रोल टैंकर में इतनी भीषण टक्कर हुई कि दोनों वाहनों में आग लग गई। ट्रक लकड़ियों से भरा था, इसलिए आग को फैलने में ज्यादा वक्त नहीं लगा। ट्रक में बैठे 7 लोग और पेट्रोल टैंकर में बैठे 2 लोग आग की चपेट में आ गए और सभी ने मौके पर दम तोड़ दिया। हादसे में शव इतनी बुरी तरह से जल गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। इस भीषण दुर्घटना के बाद कई घंटों तक चंद्रपुर शहर की ओर जाने वाली सड़क जाम रही। हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार देखने को मिली। वहीं, आग की लपटों से पास के जंगल में आग लग गई।

दुर्घटना के बाद पास के जंगल में लगी आग

चंदरपुर सब डिवीजनल पुलिस अफसर सुधीर नंदनवार ने बताया कि शहर के मुख्य मार्ग पर अजयपुर गांव के पास ट्रक, टायर के फटने के बाद वह अनियंत्रित होकर सामने से आ रहे टैंकर से टकरा गया और उसमें आग लग गई। इस दुर्घटना के बाद टैंकर से पेट्रोल फैलने की वजह से आसपास के कई पेड़ जल गए हैं। आग तड़के चार बजे के आसपास लगी थी और इस पर शुक्रवार सुबह 11 बजे पूरी तरह काबू पाया गया। चंद्रपुर से फायर बिग्रेड की एक दर्जन गाड़ियों को आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर बुलाया गया था। इस अग्निकांड के आबाद हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार नजर आई।

फायर ब्रिगेड पर देर से पहुंचने का लगा आरोप

वन विभाग के सूत्रों ने बताया कि अजयपुर से अग्निशमन दल के लोग इस दुर्घटना के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाने में कई घंटे लग गए। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और शवों को क्षतिग्रस्त ट्रकों से निकालकर नजदीकी अस्पताल के शवग्रह में रखवाया गया।

मंत्री अरविंद भदौरिया ने भूपेंद्र सिंह को दी जन्मदिन की बधाई

भोपाल। मप्र के सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया ने कैबिनेट में उनके सहयोगी भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी। श्री भदौरिया ने श्री सिंह के उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु क कामना की। साथ ही उन्होंने भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा वर्मा के जन्मदिवस पर भी बधाई दी है।

डॉ. नरोत्तम मिश्र ने दतिया में सड़का निर्माण कार्य का भूमिपूजन

दतिया ।मध्यप्रदेश शासन के गृह, जेल, संसदीय कार्य, विधि एवं विधायी कार्य विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र शुक्रवार को जिले के एक दिवसीय प्रवास पर रहे यहां वे विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र शुक्रवार सुबह डबरा पहुंचे वहां से वे अपने निवास पहुंचे। श्री मिश्रा दतिया पहुंचने के बाद उन्होंने क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना व मौके पर उपस्थित शासकीय अमले के सहयोग से यथासंभव निराकरण भी किया। साथ ही 3 करोड़ 11 लाख की राशि से बनने वाली सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ भेजन किया। साथ ही सर्किट हाउस दतिया में भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में भी भाग लिया।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में छग के पूर्व सीएम डॉ. रमन सिंह बोले-

कांग्रेस में 3 चेहरे प्रमुख, 18 से 2 राज्यों में सिमटी

रायपुर। राजस्थान के शहर जयपुर में भाजपा के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक हो रही है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ भाजपा के दिग्गज भी पहुंचे हैं। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह, भाजपा की प्रदेश प्रभारी डी पुरंदेश्वरी, प्रदेश अध्यक्ष विष्णु देव साय और भाजपा संगठन महामंत्री पवन साय शामिल हैं।

प्रदेश के इन सभी नेताओं का जयपुर के आलीशान होटल में तिलक लगाकर और राजस्थानी साफा (पगड़ी) पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस कार्यक्रम में वर्चुअली जुड़े। मंच पर रमन सिंह, राजस्थान की पूर्व सीएमवसुंधरा राजे समते अन्य उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ बैठे दिखे।

पीएम मोदी ने सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि परिवारवादी पार्टियां देश को पीछे ले जाने पर तुली हैं। भाजपा को इन परिवारवादी पार्टियों से निरंतर मुकाबला करना है। अगर लोकतंत्र बचाना है, लोकतंत्र को सामर्थ्यवान और मूल्य निष्ठ बनाना है, तो हमें वंशवाद, परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ संघर्ष करना ही है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाजपा से जोड़ने की कोशिश करनी है। करोड़ों की सदस्य संख्या हमारा गर्व बढ़ाती है, लेकिन हमें फिर भी रुकना नहीं है। भाजपा एक ऐसा वट वृक्ष हो कि समाज के हर व्यक्ति को उसमें अपने सपने नजर आते हों।

डॉ रमन सिंह ने इस बैठक में जाने से पहले रायपुर एयरपोर्ट में कहा था कि इस बैठक में मुख्य रूप से हमें मार्गदर्शन मिलेगा। सबसे अहम विषय है कि 23 मई को देश में मोदी सरकार के 8 साल पूरे हो रहे हैं। इन 8 साल में देश में बड़े बदलाव हुए है। 8 साल के कार्यकाल की सफलता को जनता के बीच कैसे ले जाएं इसके कार्यक्रम तय होंगे। हम वहां छत्तीसगढ़ में संगठन की गतिविधि, शक्ति केंद्र विस्तारक कार्यक्रम की जानकारी देंगे।

न्यूज ब्रीफ

गुना जिला प्रभारी मंत्री तोमर ने कुसमोदा नई बस्ती में विद्युत व्यवस्था का लिया जायजा

भोपाल। ऊर्जा मंत्री एवं गुना जिले के प्रभारी मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गुरुवार देर रात कुसमोदा नई बस्ती में पहुँच नागरिकों के हाल चाल जाने। उन्होंने पूछा कि आपके घर में बिजली सही ढंग से आ रही हैं या नहीं। एक बुजुर्ग अम्मा ने कहा कि बिजली तो पर्याप्त आ रही है। प्रभारी मंत्री श्री तोमर ने शासन की अन्य जन-कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी ली।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री बिपिन चंद्र पाल की पुण्य-तिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री बिपिन चंद्र पाल की पुण्य-तिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास कार्यालय स्थित सभागार में श्री पाल के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास सारंग तथा नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री भूपेंद्र सिंह ने भी माल्यार्पण किया। श्री बिपिन चंद्र पाल प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ, पत्रकार और प्रख्यात वक्ता थे, जो तीन प्रसिद्ध देशभक्तों लाल, बाल, पाल में से एक थे। वे लाला लाजपत राय तथा बाल गंगाधर तिलक के साथ स्वदेशी आंदोलन में प्रमुख रूप से शामिल थे। उन्होंने पश्चिम बंगाल के विभाजन का विरोध किया था। श्री पाल का जन्म 7 नवंबर 1858 में बांग्लादेश के सिलहट नामक गाँव में हुआ था। वे वर्ष 1898 में तुलनात्मक धर्मशास्त्र का अध्ययन करने इंग्लैंड गए थे, परन्तु असहयोग आंदोलन के अन्य नेताओं के साथ अपने स्वदेशी विचार-विमर्श का प्रचार करने के लिए वापस आ गये। पत्रकार के रूप में श्री बिपिन चंद्र पाल ने देशभक्ति भावनाओं और सामाजिक जागरूकता लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने विधवा महिला शिक्षा और उनके पुनर्विवाह को भी प्रोत्साहित किया। महान क्रान्तिकारी श्री पाल का निधन 20 मई 1932 में हुआ।

गरीब का पैसा कोई खा नहीं पाए

सभी जिला कलेक्टर भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति का क्रियान्वयन करें सुनिश्चित : मुख्यमंत्री चौहान

» दोषी कर्मचारी-अधिकारियों की नौकरी तत्काल की जाए समाप्त
» बेहतर कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को जिला स्तर पर किया जाएगा सम्मानित
» गोहद के खारे पानी की समस्या का कलेक्टर करें समाधान
» मुख्यमंत्री श्री चौहान आँगनवाड़ियों के बच्चों के लिए जन-सामान्य से खिलौने लेने के उद्देश्य से भोपाल में निकलेंगे हाथ ठेला लेकर
» आँगनवाड़ियों के संचालन में जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता
» भिंड जिले के शुद्ध सरसों के तेल की राष्ट्रीय स्तर पर हो ब्रांडिंग
» मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रातः 6.30 बजे की भिंड जिले की समीक्षा

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि गरीब का पैसा कोई खा नहीं पाए, इसलिए सभी जिला कलेक्टर भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति का क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। विकास गतिविधियों और जन-कल्याण योजनाओं के क्रियान्वयन में भ्रष्टाचार, कार्य में विलंब और पैसा खाने की शिकायत मिलने पर दोषी अधिकारी-कर्मचारी की नौकरी तत्काल समाप्त की जाए। दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए कलेक्टर स्वतंत्र हैं। साथ ही जो अधिकारी-कर्मचारी अच्छा कार्य कर रहे हैं, उन्हें प्रोत्साहित भी किया जाएगा। बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों को जिला स्तर पर कार्यक्रम कर सम्मानित किया जाएगा। अधिकारी-कर्मचारियों की शिकायतें मिलने और काम में ढिलाई पर एक्शन और अच्छे काम के लिए प्रोत्साहन की व्यवस्था का क्रियान्वयन होगा। मैं देर रात तक काम में लगा रहता हूँ, फिर सुबह 6-30 बजे से जिलों से संवाद शुरू कर देता हूँ। यह प्रदेश के विकास और जन-कल्याण की तड़प है, जो इन गतिविधियों में अभिव्यक्त होती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान शुक्रवार को प्रातः भिंड जिले में विकास योजनाओं और जन-कल्याणकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की वर्चुअल समीक्षा कर रहे थे। सहकारिता मंत्री श्री अरविंद भदौरिया, राजस्व एवं परिवहन मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत और जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जनजाति मंत्री सुश्री मीना सिंह भी बैठक से वर्चुअली जुड़ी। भिंड के जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक सहित अन्य प्रशासनिक

अधिकारी भी वर्चुअली सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बेहतर कार्य के लिए कलेक्टर भिंड की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भिंड जिले में पेयजल तथा जलापूर्ति की स्थिति की समीक्षा के दौरान कहा कि गोहद में खारे पानी की समस्या को कलेक्टर टॉस्क (चुनौती) के रूप में लें। गोहद को मीठा पानी उपलब्ध कराने के लिए राज्य शासन भी हरसंभव सहायता उपलब्ध कराएगा। गोहद को खारे पानी के स्थान पर मीठा पानी उपलब्ध करा कर भिंड कलेक्टर अपने कार्यकाल को भिंड के निवासियों की स्मृति में चिर-स्थाई बना सकते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिले में संचालित जल-जीवन मिशन की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की और मिशन के कार्यों को गति देने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जिले के 13 नगरीय निकायों में से 3 में पानी की अधिक समस्या है, जिसके निराकरण के लिए परिवहन की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री आवास योजना में शहरी क्षेत्र में मात्र 42.7 प्रतिशत कार्य होने पर चिंता जताते हुए कहा कि योजना के क्रियान्वयन में जो भी समस्याएँ आ रही हैं उनका तत्काल निराकरण किया जाए। शहरी क्षेत्रों में जहाँ भूमि की उपलब्धता कम है वहाँ मल्टी स्टोरी की व्यवस्था की जाए। ग्रामीण क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास में 88 प्रतिशत कार्य होने पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संतोष व्यक्त किया। बैठक में बताया गया कि जिले में माफियाओं से 233 एकड़ भूमि मुक्त कराई गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीबों को आवास उपलब्ध कराना राज्य शासन की प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित किया जाए कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में आवास आवंटन में विलम्ब नहीं हो। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आवास प्लस के सभी हितग्राहियों को उनकी ओर से पत्र भेज कर आवास आवंटन की जानकारी दी जाए। साथ ही हितग्राहियों की सूचना पंचायतों में भी लगाई जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जिले में राशन वितरण की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आँगनवाड़ियों के संचालन में जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। एडाप्ट एन आँगनवाड़ी अभियान में अधिक से अधिक लोगों को आँगनवाड़ी गोद लेने के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि जन-भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वे स्वयं आँगनवाड़ी के बच्चों के लिए जन-सामान्य से खिलौने लेने के लिए भोपाल में हाथ ठेला लेकर निकलेंगे।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नगरीय विकास एंव आवास मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह को पुष्प-गुच्छ भेंट कर जन्म-दिन की बधाई दी।

मुख्यमंत्री चौहान ने नीम और पीपल के पौधे रोपे

» अरेरा कॉलोनी क्षेत्र में सक्रिय वंदे-मातरम उत्सव समिति के सदस्यों ने भी लगाए पौधे

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में आज वंदे-मातरम उत्सव समिति के सर्वश्री अशोक देशमुख, पयोज जोशी, हेमंत कपूर, सुनील पांडे, अखिलेश अर्गल तथा शशांक दुबे के साथ नीम और पीपल के पौधे लगाए। वंदे-मातरम उत्सव समिति, पारिवारिक सामाजिक समिति है, जो विगत 30 वर्षों से सामाजिक कार्यों के साथ स्वच्छता और पर्यावरण-संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय है। समिति के सदस्यों द्वारा लगभग 1100 से अधिक पौधे लगाए गए हैं। साथ ही 10 नंबर बस स्टॉप, अरेरा कॉलोनी, बिट्टन मार्केट आदि क्षेत्रों में सतत् रूप से स्वच्छता अभियान चलाकर नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाई जा रही है। समिति द्वारा वर्ष भर विभिन्न सामाजिक गतिविधियाँ शालाओं में कापी-किताब वितरण, वृक्षा-रोपण, ग्रीष्म काल में प्याऊ

निर्माण, निर्धन बस्ती में स्वास्थ्य शिविर, शीत ऋतु में निर्धन बस्ती में गर्म कपड़ों का वितरण, मकर संक्रांति पर्व पर बच्चों को नि:शुल्क पतंग वितरण आदि कार्य किये जाते हैं। समिति द्वारा सफाई मित्रों को सफाई सम्मान, पुलिस सुरक्षाकर्मी को सुरक्षा सम्मान और हेल्थ वर्कर को स्वास्थ्य सम्मान भी दिया जाता है आज लगाए गए पौधों में पीपल छायादार वृक्ष है। यह पर्यावरण शुद्ध करता है। इसका धार्मिक और आयुर्वेदिक महत्व है। एंटीबायोटिक तत्वों से भरपूर नीम को सर्वोच्च औषधि के रूप में जाना जाता है।

युद्ध स्तर पर करें नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव की तैयारी

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग सिंह ने की तैयारियों की समीक्षा

भोपाल

नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारी युद्ध स्तर पर करें। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री राकेश सिंह ने यह निर्देश निर्वाचन तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा के दौरान दिए। समीक्षा में सभी जिलों के उप जिला निर्वाचन अधिकारी शामिल हुए। श्री सिंह ने कहा कि मतपत्रों की छपाई के लिए आवश्यकतानुसार टेंडर प्रक्रिया तुरंत पूरी करें। उन्होंने कहा कि यथासंभव नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनावों के लिए अलग-अलग रिटर्निंग ऑफिसर नियुक्त करें। ओएसडी श्री दुर्ग विजय सिंह ने निर्वाचन संबंधी जरूरी

निर्देश दिए। उप सचिव श्री अरुण परमार ने कहा कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों की जानकारी दो दिन में दें। विशेष कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति कर जल्द भेजें। उप सचिव श्रीमती अजीजा सरशार जफर ने कहा कि मतदान केंद्रों का सत्यापन जल्द कर लें। उन्होंने कहा कि आईईएमएस में सभी जानकारियाँ तुरंत अपलोड करें। उप सचिव श्री राजकुमार खत्री ने कहा कि ईवीएम की एफएलसी समय-सीमा में करवाएँ। कंट्रोल रूम तुरंत स्थापित करें और शिकायतों के निराकरण के लिए नोडल ऑफिसर नियुक्त करें। उप सचिव श्री नवीत धुर्वे ने सामग्री प्रबंधन और वित्तीय सलाहकार श्रीमती सुजाता रघुवंशी ने वित्तीय प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। उप जिला निर्वाचन अधिकारियों की शंकाओं का समाधान भी किया गया।

सार्वजनिक वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग सिस्टम जुलाई से अनिवार्य : परिवहन मंत्री श्री राजपूत

प्रदेश में इंटरसिटी परिवहन के रूप में होगा इलेक्ट्रिक वाहनों का संचालन

भोपाल

परिवहन एवं राजस्व मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि एक जुलाई 2022 तक एक अप्रैल 2019 के बाद के सार्वजनिक वाहनों में बी.एल.टी.डी. (व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग डिवाईस) लगाया जाना अनिवार्य किया गया है। इसके पूर्व के वाहनों में एक अगस्त 22 तक यह सिस्टम लगवा सकेंगे। परिवहन मंत्री गुरूवार को मंत्रालय में योजनावार विभागीय समीक्षा कर रहे थे। प्रमुख सचिव परिवहन श्री फैज़ अहमद किदवई एवं परिवहन आयुक्त श्री मुकेश जैन उपस्थित थे।

मंत्री श्री राजपूत ने बताया कि बी.एस.एन.एल. द्वारा आरटीओ कार्यालय भोपाल में व्हीकल लोकेशन ट्रेकिंग कण्ट्रोल एंड कमांड सेंटर की स्थापना 30 जून तक पूरी कर ली जाएगी। सार्वजनिक वाहनों बस, ओला टैक्सी एवं अन्य यात्री वाहनों में वाहन चालक एवं सवारी की सुरक्षा के लिए टेक्सी में 3 और बस में 10 पेनिक बटन लगाये जायेंगे। जिसका कंट्रोल भोपाल स्थित कमांड सेंटर में होगा। वाहन चालक एवं पैसेंजर किसी भी आपात स्थिति में पेनिक बटन का उपयोग कर सकेंगे, जिससे उनकी लोकेशन के आधार पर वाहन को ट्रेस कर स्थानीय मदद उपलब्ध कराई जा सकेगी।

इलेक्ट्रिक बसों का होगा संचालन

मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश में इंटरसिटी परिवहन के लिए इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाए। इससे एक ओर जहाँ पर्यावरण प्रदूषण को रोका जा सकेगा वहीं दूसरी ओर पेट्रोल एवं डीजल पर होने वाले व्यय पर भी कंट्रोल होगा। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक बस संचालन की इच्छुक संस्थाओं से चर्चा कर प्रस्ताव बुलावाए जाएंगे। प्रमुख सचिव परिवहन श्री फैज अहमद किदवई द्वारा लिपिक से उप निरीक्षक पद के लिए लंबे समय से विभागीय परीक्षा न होने के कारण पदोन्नति के लिए ओवर ऐज हो चुके कर्मियों के लिए आयु सीमा में एक बार छूट ली जाकर परीक्षा आयोजित कराने का प्रस्ताव दिया।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22
अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.
आपकी बात
आपके साथ
We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

मुख्यमंत्री ने बीजापुर में ज्ञान गुड़ी एजुकेशन सिटी का किया लोकार्पण

दूरस्थ अंचल में बच्चों के सपनों को मिल रही नई उड़ान

रायपुर। दिव्यांग बच्चों ने बम बम बोले, छोटी सी आशा गानों पर दी मनमोहक प्रस्तुतिमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान बीजापुर में ज्ञान गुड़ी एजुकेशन सिटी का लोकार्पण कर जिलेवासियों को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सौगात दी। इस अवसर पर उन्होंने ज्ञानगुड़ी परिसर में रुद्राक्ष के पौधे का रोपण किया। मुख्यमंत्री ज्ञानगुड़ी में जिला पुनर्वास केंद्र समर्थ पहुंचकर दिव्यांग बच्चों से मिले और उन्होंने परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री के स्वागत में बच्चों ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। समर्थ के सभी बच्चों ने बम बम बोले, छोटी सी आशा गाने पर नृत्य की प्रस्तुति दी, जिस पर मुख्यमंत्री भावविभोर हो गए। समर्थ के बच्चों ने अपने हाथों के पंजों की छाप से सजे पुनर्वास केंद्र समर्थ की तस्वीर मुख्यमंत्री को भेंट की।

अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी भी उपस्थित थे।इस अवसर पर उद्योग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री कवासी लखमा, लोकसभा सांसद श्री दीपक बैज, बीजापुर विधायक श्री विक्रम मण्डावी, मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी भी उपस्थित थे। शिक्षा कक्ष में बच्चों के साथ बैठकर उनके शिक्षण स्तर को जांचा। कुमारी रोजा कोड़े ने उन्हें 1 से 10 तक संख्याओं को क्रम में जमाकर बताया, जिस पर मुख्यमंत्री श्री बघेल ने इस दौरान एक्टिविटी कक्ष में मूक-बधिर बच्चों कार्तिक बेलसरिया और अमितेष अंगनपल्ली से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने बच्चों की हारमोनियम और ढोलक की जुगलबंदी की तारीफ की और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। उन्होंने समर्थ परिसर में विशेष शिक्षा कक्ष में बच्चों के साथ बैठकर उनके शिक्षण स्तर को जांचा। कुमारी रोजा कोड़े ने उन्हें 1 से 10 तक संख्याओं को क्रम में जमाकर बताया, जिस पर मुख्यमंत्री ने उनकी सराहना की। प्रशिक्षकों ने बताया कि यहाँ बच्चों को टीचिंग लर्निंग मटेरियल के माध्यम से सिखाया जाता है। मुख्यमंत्री ने फिजियोथेरेपी कक्ष में शारिरिक रूप से कमजोर बच्चों को मसल पावर विकसित करने के लिए दिए जा रहे थेरेपी की जानकारी ली। संवेदी कक्ष में दृष्टि बाधित दिव्यांग बच्चे मोहन कुड़ियम, ईश्वर तेलम, संतोष गुज्जा, कवासी जोगा ने मुख्यमंत्री को चीजें स्पर्श कर उनकी पहचान बताई। यहां 21 प्रकार की फिजिकल डिसएबिलिटी वाले बच्चे प्रशिक्षणरत हैं । यहां दृष्टिबाधित बच्चों को हाथों व पैरों के स्पर्श से वस्तुओं एवं रंगों की पहचान और स्वाद चखकर खाद्य पदार्थों को पहचानने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

अबूझमाड़ के ग्रामीणों से सीएम बघेल हुए रूबरू

5 नए धान खरीदी केंद्र, इंग्लिश मीडियम स्कूल और आईटीआई खोलने की घोषणा

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दूसरे चरण का आज तीसरा दिन है। तीसरे दिन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नारायणपुर जिले के नक्सल प्रभावित गांव छोटे डोंगर में चौपाल लगाई। यहां नक्सलगढ़ के अबूझमाड़ के ग्रामीणों से उन्होंने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने अबूझमाड़ इलाके में 5 नए धान खरीदी केंद्र खोलने की घोषणा की है। साथ ही छोटे डोंगर में नया आईटीआईखोला जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा मिल सके इसलिए छोटे डोंगर में स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडिम स्कूल खोला जाएगा। मुख्यमंत्री ने समूह की महिलाओं से भी बात की। समूह की महिला लता ने बताया कि बिहान समूह बनाकर उन्होंने 50 क्विंटल गोबर खरीदा है। मशरूम की खेती कर रही हैं और 2 सौ रुपए प्रति किलो में बेच रही हैं। जिसपर सीएम ने खुशी जाहिर की। सीएम से सीधे संवाद के दौरान समूह की महिलाओं ने बोर और शेड निर्माण की मांग रखी। सीएम ने तुरंत इसकी भी घोषणा कर दी। लता की बात सुनकर सीएम ने कहा कि अब इलाके की तस्वीर बदल रही है। महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही है। किसान सुंदरम पोयाम ने सीएम भूपेश बघेल को बताया कि 50 क्विंटल धान बेचने पर उनके खाते में तुरंत पैसे आ गए और एक लाख रुपए का कर्ज भी माफ हुआ है।

सीएम ने की घोषणाएं

- तारागांव में लघु उद्वहन सिंचाई योजना की स्वीकृति दी जाएगी।
- बड़े जम्हरी शासकीय हाई स्कूल का हायर सैकेण्डरी स्कूल में उन्नयन किया जाएगा। कन्हारगांव माध्यमिक शाला का हाईस्कूल में उन्नयन किया जाएगा।
- छोटेडोंगर में 32 गढ़ हल्बा समाज हेतु सामाजिक भवन निर्माण करवाया जाएगा।
- छोटेडोंगर में 84 परगना गोंड़वाना समाज हेतु सामाजिक भवन का निर्माण करवाया जाएगा।
- चांदागांव से सोनापाल होते हुए पानी गांव तक करीब 5 किमी सड़क का डामरीकरण ।
- 5 नवीन धान खरीदी केन्द्र- कन्हारगांव, कोहकामेटा, सोनपुर, गढ़बेंगाल एवं कुकड़ाझोर। दंतेश्वरी मंदिर में अतिरिक्त कक्ष एवं उन्नयन कार्य।
- मरार समाज हेतु सामाजिक भवन निर्माण की स्वीकृति।
- यादव समाज हेतु सामाजिक भवन निर्माण की स्वीकृति।

सीएम ने पत्रकार तिवारी के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जगदलपुर के वरिष्ठ पत्रकार श्री शंकर तिवारी के निधन पर गहरा दुःख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री श्री बघेल और मीडिया प्रतिनिधियों ने आज बीजापुर में प्रेसवार्ता के पहले दो मिनट का मौन धारण कर श्री तिवारी को श्रद्धांजलि दी। श्री तिवारी का रायपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से बस्तर की पत्रकारिता में सक्रिय रहे। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने श्री तिवारी के शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने छोटेडोंगर राशन दुकान का किया निरीक्षण

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज भेंट-मुलाकात अभियान के दौरान नारायणपुर जिले के ग्राम छोटेडोंगर के उचित मूल्य राशन दुकान का औचक निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने वहां स्टॉक रजिस्टर की जांच की और वहाँ उपस्थित हितग्राहियों से राशन की मात्रा एवं गुणवत्ता की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने उपस्थित हितग्राहियों से पूछा कि निर्धारित मात्रा में हर महीने राशन मिलता है कि नहीं? राशन वितरण के संबंध में कोई शिकायत तो नहीं है? इस पर उपस्थित हितग्राहियों ने एक स्वर में जवाब दिया राशन हर महीने निर्धारित मात्रा में मिलता है। राशन वितरण के संबंध में कोई शिकायत नहीं है। मुख्यमंत्री ने 4 नए हितग्राही निलबति बाई, ललित मानिकपुरी, सरिता सलाम और कविता को राशन कार्ड का वितरण किया। उन्होंने राशन दुकान में मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल को देखा एवं जागरूकता लाने के दिये निर्देश।

मर्दापाल में पहली पीढ़ी के डेयरी उद्यमी हो रहे तैयार, अर्जुन बघेल ने सरकारी मदद से कुरुसनार में तैयार की डेयरी यूनिट

बस्तर का इलाका हमेशा से दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में पीछे रहा है क्योंकि यहां पर दूध के लिए गोपालन की परंपरा नहीं है। राज्य शासन ने डेयरी उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय किसानों को प्रोत्साहित किया। इसका परिणाम दिखना शुरू हुआ है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी उद्यमी तैयार होने आरंभ हो गए हैं। कुरूसनार के अर्जुन बघेल ऐसे ही एक उद्यमी हैं। उन्होंने इंग्लैंड की सबसे चर्चित प्रजाति क्रॉस एचएफ गाय डेयरी उद्यमिता योजना के अंतर्गत ली है। उन्हें एक लाख 40 हजार रुपये में यह गाय मिली। इसके लिए शासन की ओर से उन्हें 92 हजार रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। अर्जुन बघेल अब डेयरी का दूध मर्दापाल में बेच रहे हैं। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में उन्होंने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को बताया कि खेती-किसानी के अतिरिक्त अब पशुपालन भी मेरे लिए आय का माध्यम साबित हुआ है। उन्होंने बताया कि डेयरी उद्यमिता योजना के माध्यम से उन्हें जो लाभ हुआ है, उससे प्राप्त आय से वे उद्यम का विस्तार करेंगे।

दूर हुए संघर्ष के दिन, अब पहाड़ नहीं चढ़ना होगा न ही नदी-नाला पार करना होगा

रायपुर। हम गांव के 25 परिवार हैं। पहाड़ की 16 किलोमीटर की कठिन चढ़ाई के बाद, ढाई घंटे लगातार चलकर राशन दुकान तक पहुंचते हैं, कभी-कभी खराब रास्ते से आना पड़ता है तो 35 किमी की दूरी तय करनी पड़ती है, जहां नदी, नाला, खराब रास्तों से संघर्ष करना पड़ता है, मुख्यमंत्री जी हमारी मांग है कि हमारे गांव को नजदीकी पंचायत घुईडीह के राशन दुकान से जोड़ा जाए, जहां से राशन लेना आसान हो, गड़ईपारा निवासी हरीलाल की इतनी बात सुनते ही मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने अधिकारियों को तत्काल निर्देशित किया, अब ग्रामीणों को 25 कि.मी. पहाड़ चढ़कर या 35 कि.मी. के रास्तों से संघर्ष करके राशन नहीं लेना पड़ेगा, उन्हें अब राशन अपने नजदीकी ग्राम पंचायत घुईडीह में ही मिलेगा। ज़मीनी स्तर पर शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन का प्रभाव देखने और जनता से सीधे संवाद करने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भेंट मुलाकात अभियान का आह्वान किया है। इसी क्रम में जब 7 मई को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल सूरजपुर जिले के भटगांव विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कुदरगढ़ पहुंचे और यहां के चौपाल में ये समस्या उभरी तो 6 दिन के भीतर ही ग्रामीणों को ग्राम घुईडीह से राशन मिलना सुनिश्चित हो गया। ग्राम कुदरगढ़ से 25 हितग्राहियों के नाम ग्राम घुईडीह के राशन दुकान में स्थानांतरित कर दिया गया है। अब ग्रामीणों को पहाड़ चढ़ने और नदी नाले और पथरीले रास्तों से जूझने का संघर्ष नहीं करना होगा। ग्रामीणों के आग्रह पर उनके गांव को नजदीक की ग्राम पंचायत घुईडीह से जोड़ दिया गया है, ताकि उन्हें आसानी से राशन मिल सके और दिक्कतों का सामना ना करना पड़े। ग्रामीणों की समस्या सुनकर मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने तत्काल गांव के नजदीक की राशन दुकान में उन सभी हितग्राहियों के नाम जोड़ने के निर्देश दे दिए थे।

25 परिवारों को मिलेगा पास के ग्राम पंचायत में राशन

राज्य निर्वाचन आयोग में ली गई आतंक विरोधी शपथ

रायपुर । पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के पुण्यतिथि 21 मई को आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर आज प्रातः 11ः00 बजे राज्य निर्वाचन आयोग कार्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों ने आतंकवाद विरोधी शपथ ली। शनिवार 21 मई को शासकीय अवकाश होने के कारण आज 20 मई को हिंसा एवं आतंकवाद के रास्ते से दूर रहने का शपथ लिया गया। इस अवसर पर आयोग की उप सचिव श्रीमती अंकिता गर्ग, अवर सचिव श्री आलोक श्रीवास्तव, श्री प्रणय वर्मा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

राजभवन में भी ली गई शपथः आतंकवाद विरोधी दिवस के अवसर पर आज यहां राजभवन में सचिवालय के उप सचिव श्री दीपक अग्रवाल ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आतंकवाद और हिंसा का विरोध करने तथा विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की शपथ दिलाई। अधिकारियों ने देश की अहिंसा एवं सहनशीलता की परम्परा में दृढ़ विश्वास बनाए रखने, मानव जाति के सभी वर्गों के बीच शांति, सामाजिक सद्भाव तथा सूझबूझ कायम करने और मानव जीवन के मूल्यों को खतरा पहुंचाने वाली शक्तियों से लड़ने की भी शपथ ली।

वाटरफॉल में 100 फीट ऊंचाई से कूद गई युवती

जगदलपुर। जगदलपुर के चित्रकोट जलप्रपात में एक युवती नीचे कूद गई। युवती कौन है, कहां से आई अब तक इसकी जानकारी नहीं मिली है। शुक्रवार को दोपहर के वक्त युवती झरने के मुहाने पर पहुंची और नीचे छलांग लगा दी। पानी की लहर में युवती कहीं गुम हो गई, अब उसे ढूंढने का काम पुलिस की टीम कर रही है। मामला करीब 1 बजे के आस-पास का है। युवती वॉटर फाल के पास पहुंची। वह अपने साथ कपड़े भी रखी थी। कुछ देर तक वाटर फाल के आसपास घूमती रही फिर नजदीक पहुंच गई। इतने करीब देख वहां तैनात पुलिस जवानों और आसपास के लोगों ने उसे मना किया। इससे पहले कि वे रोकते करीब 100 फीट ऊंचाई से युवती ने वाटरफाल में छलांग लगा दी। इस दौरान नाविक भी नीचे मौजूद थे, लेकिन वे भी बचा नहीं सके। पुलिस अभी सीसीटीवी खंगाल रही है। लाश नहीं मिली है। माना जा रहा है कि युवती ने सुसाइड करने के लिए छलांग लगाई है। पुलिस आस-पास के लोगों से भी इसके बारे में पूछताछ कर रही है। कुछ चश्मदीदों ने बताया कि युवती अचानक झरने के किनारे पर गई तो लोगों ने उसे पीछे आने को कहा। मगर वो नहीं मानी, एक शख्स ने इस घटना को अपने मोबाइल फोन पर कैद कर लिया।

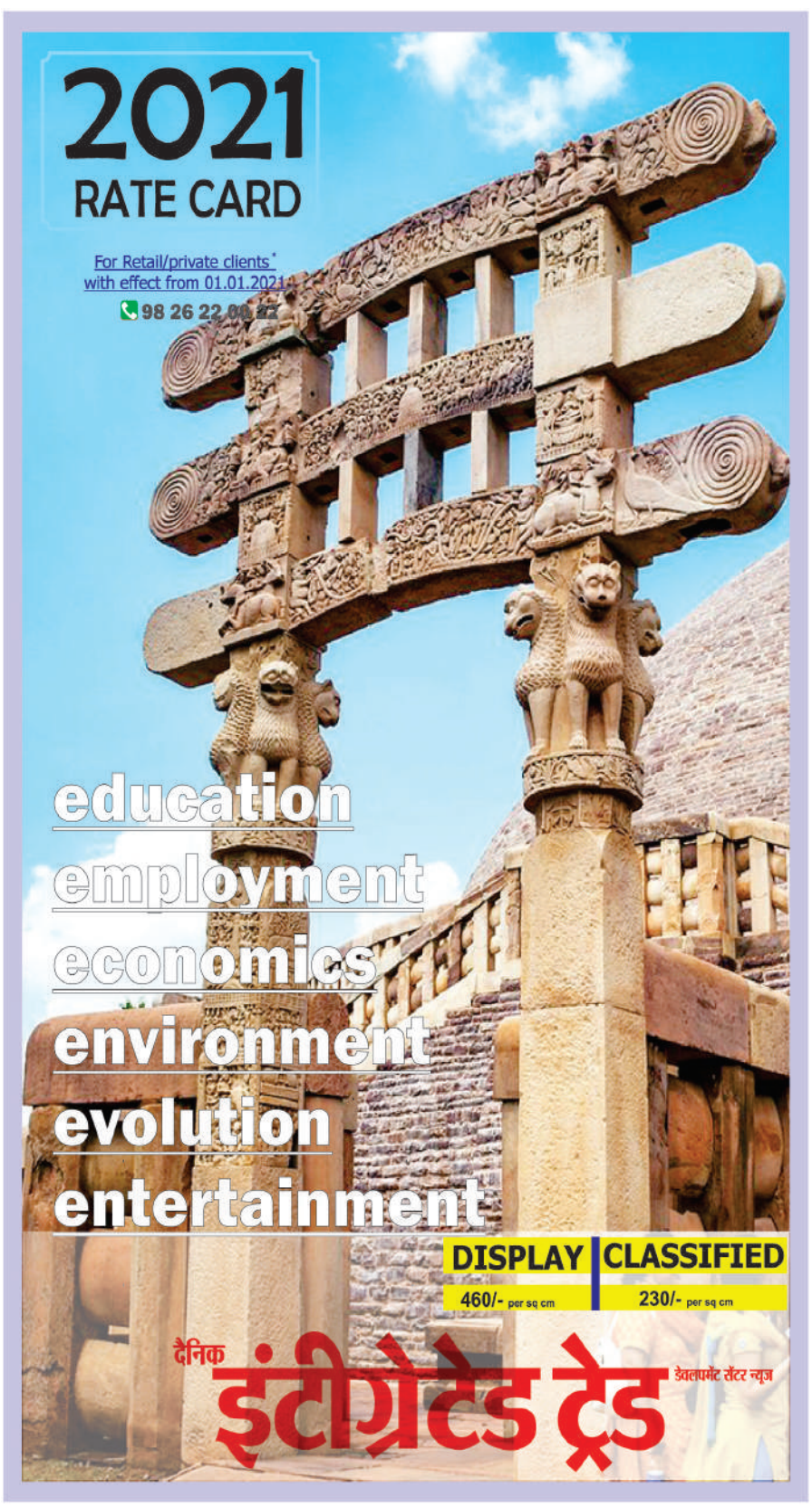

पड़ोसी राज्यों तक पहुंच रहे कोरिया के कांटा झाड़ू

साढ़े 3 हज़ार से ज्यादा कांटा झाड़ू बिके, जनकपुर के प्रगति समूह को मिला 40 हजार से ज्यादा का लाभ

कोरिया। सघन वनांचल कोरिया जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों के लिए वनोपज आजीविका का महत्वपूर्ण माध्यम है। विभिन्न लघुवनोपज जैसे माहुल पत्ता, हर्रा कचरिया, बहेड़ा, रंगीनी लाख, बेलगुदा, चिरौंजी गुठली, महुआ फूल, इमली, सालबीज आदि के साथ यहाँ उत्तम गुणवत्ता के कांटा झाड़ू घास की भी प्रचुरता है। विकासखण्ड भरतपुर के जनकपुर की प्रगति स्व सहायता समूह की महिलाएं कांटाझाड़ू घास संग्रहण द्वारा कांटा झाड़ू निर्माण कर आत्मनिर्भरता की ओर आगे बढ़ रही हैं। घरेलू कार्य करने वाली महिलाओं के लिए कांटा झाड़ू स्वरोजगार का उत्तम माध्यम बन गया है। समूह की अध्यक्ष पिंकी ने बताया कि समूह द्वारा अब तक लगभग 4 हजार 545 कांटा झाड़ू का निर्माण किया गया है, जिसमें से 3 हजार 840 झाड़ू 1 लाख 50 हजार 600 रुपए में विक्रय किया गया है। विक्रय से महिलाओं को कुल 41 हजार 928 रूपए का शुद्ध लाभ हुआ है, समूह को झाड़ू निर्माण के लिए आवश्यक सामग्री तार, प्लास्टिक, झाड़ू घास की पूर्ति बिहान के सहयोग से हो रही है। निर्माण से लेकर पैकेजिंग तक का काम महिलाओं द्वारा स्वयं किया जा रहा। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा निर्धारित दर पर काटा झाड़ू की खरीदी की गई हैं वहीं समूह द्वारा स्थानीय बाज़ारों, सी मार्ट सहित पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में भी विक्रय हेतु झाड़ू भेजी जा रही है।

संपादकीय

महंगाई की मार

बढ़ती महंगाई को लेकर चौतरफा हाहाकार है, मगर इसे रोकने को लेकर सरकार के प्रयास सफल होते नजर नहीं आ रहे। थोक महंगाई बढ़ कर 15.8 फीसद पर पहुंच गई है। तेल की कीमतों पर काबू पाने के प्रयास बेनतीजा साबित हो रहे हैं। सीएनजी की कीमत में फिर से दो रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी करनी पड़ी है। विमान ईंधन की कीमत में पांच रुपए से अधिक वृद्धि हुई है। काफी समय तक रिजर्व बैंक ने अपनी ब्याज दरों में इसलिए कोई बदलाव नहीं किया, ताकि बाजार में पैसे का प्रवाह कुछ बढ़े। मगर ऐसा नहीं हुआ, तो उसे ब्याज दरों में परिवर्तन करना पड़ा। उसने रेपो दरों में चालीस आधार अंक की बढ़ोतरी कर दी। इससे बैंकों को कर्ज पर वसूली जाने वाली दरों में बढ़ोतरी का रास्ता खुल गया। कई बैंक अपनी दरों में वृद्धि कर चुके हैं। अभी भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी ब्याज दर में 0.1 फीसद की और बढ़ोतरी कर दी है। उसका मानना कि महंगाई अभी और बढ़ेगी। यानी घर, वाहन आदि के लिए कर्ज लेने वालों पर बोझ कुछ और बढ़ेगा। रसोई गैस की कीमतें आम उपभोक्ता की पहुंच से दूर हो गई हैं। खुदरा महंगाई भी लगातार बढ़ रही है, जिससे लोगों को अपने रोजमर्रा के खर्चे में कटौती करनी पड़ रही है। पांच खरब की अर्थव्यवस्था बनाने का दम भरने वाली सरकार के सामने अब महंगाई पर काबू पाने का कोई उपाय भी नजर नहीं आ रहा। महंगाई का गणित कई चीजों पर निर्भर करता है। उसे किसी एक सूत्र को पकड़ कर नहीं साधा जा सकता। इसमें ईंधन की बढ़ती कीमतें बड़ी भूमिका निभा रही हैं। इसका सीधा असर उत्पादन लागत पर पड़ रहा है। ढुलाई महंगी होने से उभोक्ता तक पहुंचते-पहुंचते वस्तुओं की कीमतें कई गुना बढ़ जाती हैं। जब वस्तु की कीमत बढ़ती है, तो उसी के अनुसार उस पर लगने वाले करों में भी वृद्धि हो जाती है। इसी तरह हवाई यात्रा और निजी तथा सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करने वालों का दैनिक खर्च बढ़ जाता है। मगर सरकार तेल की कीमत को काबू में नहीं कर पा रही। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अपील की कि वे वैट में कटौती करें, ताकि उपभोक्ता को कुछ राहत मिल सके। मगर केंद्र सरकार कई साल से जो तेल पर ऊंचा उत्पादन शुल्क वसूल रही है, उसमें कटौती की बात नहीं की जा रही। इस वक्त पेट्रोल पर करीब छब्बीस रुपए उत्पादन शुल्क वसूला जा रहा है। यह ठीक है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ी हुई है, जिसका असर हमारे यहां पड़ रहा है। मगर जब महंगाई अपने चरम पर पहुंच गई है, तो उत्पादन शुल्क घटाने पर विचार क्यों नहीं किया जा सकता। महंगाई की मार लोगों पर इसलिए भी अधिक पड़ रही है कि उनकी कमाई नहीं बढ़ रही। बहुत सारे लोग अपना रोजी-रोजगार-नौकरी गंवा चुके हैं। बहुतों ने अपने भविष्य निधि से पैसे निकलवा कर भी गुजारा चलाने का प्रयास कर लिया। ऐसे में अगर वस्तुओं की कीमतें बढ़ती हैं, तो उनका जीना दूभर हो जाता है। खुद सरकार का दावा है कि वह देश के अस्सी करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांट रही है। यानी इतने लोगों के हाथ में कोई रोजगार नहीं है। इसलिए सरकार को महंगाई पर काबू पाने के लिए समग्र रूप से विचार करने की जरूरत है।

कांग्रेस और पीके के बीच हाथ मिलाने से पहले ही हुआ बाय-बाय

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की लाइन याद आ रही है कि 'कौन थे, क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी।' चुनावी प्रबंधन के गुरु माने जाने वाले प्रशांत किशोर यानी पीके ने कांग्रेस के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया कि वह पार्टी में शामिल हो जाएं। सवाल है, क्या देश की राजनीति में पुरुषार्थ के दिन लद गए और उसका स्थान प्रबंधन ले रहा है? क्या भारत की राजनीति नए मार्ग की ओर बढ़ रही है? अब राजनीति के मुद्दे और उसकी दिशा राजनीति के तपे-तपाए नेता नहीं बल्कि चुनाव जिताने का दावा करने वाले प्रबंधक तय करेंगे? इस सिलसिले की मजबूत शुरुआत 2014 से हुई जब भारतीय जनता पार्टी ने प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी। नरेंद्र मोदी चुनाव जीत गए और प्रधानमंत्री बन गए। इससे राजनीतिक दलों को लगा कि यह जीत मोदी की कम, पीके की ज्यादा है। इसके बाद दलों के नेता और कार्यकर्ता पीछे की सीट पर बैठा दिए गए और प्रबंधक ड्राइविंग सीट पर जा बैठे।

(बृजेश शुक्ल)

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की लाइन याद आ रही है कि 'कौन थे, क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी।' चुनावी प्रबंधन के गुरु माने जाने वाले प्रशांत किशोर यानी पीके ने कांग्रेस के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया कि वह पार्टी में शामिल हो जाएं। सवाल है, क्या देश की राजनीति में पुरुषार्थ के दिन लद गए और उसका स्थान प्रबंधन ले रहा है? क्या भारत की राजनीति नए मार्ग की ओर बढ़ रही है? अब राजनीति के मुद्दे और उसकी दिशा राजनीति के तपे-तपाए नेता नहीं बल्कि चुनाव जिताने का दावा करने वाले प्रबंधक तय करेंगे? इस सिलसिले की मजबूत शुरुआत 2014 से हुई जब भारतीय जनता पार्टी ने प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपी। नरेंद्र मोदी चुनाव जीत गए और प्रधानमंत्री बन गए। इससे राजनीतिक दलों को लगा कि यह जीत मोदी की कम, पीके की ज्यादा है। इसके बाद दलों के नेता और कार्यकर्ता पीछे की सीट पर बैठा दिए गए और प्रबंधक ड्राइविंग सीट पर जा बैठे।

खाट खड़ी हो गई- बात 2017 की है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को जिताने की जिम्मेदारी पीके को दे दी गई थी। पीके की ही सलाह पर कांग्रेस ने खाट यात्रा शुरू की। गांव में खाट में बैठे हजारों ग्रामीणों के बीच राहुल गांधी उनसे चर्चा करते थे। इस खाट यात्रा से कांग्रेस को क्या मिला, कुछ पता नहीं चला। लेकिन गांव वाले उन खाटों को अपने घर जरूर उठा ले गए। जब कांग्रेस अपने पैरों पर खड़ी होती नहीं दिखी तो समाजवादी पार्टी से समझौता किया गया। लेकिन पीके की कोई रणनीति काम नहीं आई और चुनाव में कांग्रेस की खाट खड़ी हो गई।

वैसे अकेले कांग्रेस की ही बात क्यों की जाए। अब तो चुनावी प्रबंधन के लिए सभी राजनीतिक दल कंपनियों के भरोसे हो गए हैं। इतना जरूर है कि कांग्रेस कुछ ज्यादा ही आगे बढ़ गई है। शायद कांग्रेस के नीति नियंताओं को लगा कि वे पार्टी को मजबूत नहीं कर सकते, पीके के पास कोई जादू की छड़ी है जिससे वह पार्टी को मजबूत कर देंगे। सवाल बड़ा है। क्या किसी पार्टी का जनाधार मुद्दों को तलाश कर बढ़ाया जा सकता है? असल में एक आम धारणा रही है कि जो नेता जमीन पर हैं, उनसे बेहतर मुद्दे कोई नहीं जानता और उनसे ज्यादा लोगों की कोई सेवा भी नहीं कर सकता।

इस धारणा के उलट, विभिन्न दलों के बड़े-बड़े नेताओं के चुनावी प्रबंधकों के इशारे पर नाचने की शुरुआत हो चुकी है। क्या अब नेताओं को सेवा के रास्ते बताए जाएंगे? यह राजनीति के लिए बहुत ही दुखद दिन हो सकता है जब हमारे जमीनी नेताओं को असफल मान लिया जाए और चुनावी प्रबंधक यह बताने लगें कि किस रास्ते पर चलकर चुनाव जीता जा सकता है। जो जन प्रतिनिधि जमीन पर है उससे बड़ा चुनावी प्रबंधक कोई दूसरा नहीं हो सकता।

कालजयी साबित हुए नारों को इन नए चुनावी प्रबंधकों ने नहीं बल्कि जमीनी नेताओं और कार्यकर्ताओ ने गढ़ा। 'मैं कहती हूं गरीबी हटाओ, ये कहते हैं इंदिरा हटाओ' के नारे ने चुनाव को पलट दिया था। 'अच्छे दिन आने वाले हैं', यह नारा सुषमा स्वराज के दिमाग की उपज था न कि किसी चुनावी प्रबंधक के दिमाग की। देश की जनता भूखी है, यह आजादी झूठी है का नारा वामपंथियों ने गढ़ा था। समाजवादियों के नारे भी जन-जन तक पहुंचे।

वास्तव में राजनीति की जो नई धारा आई है, उसमें कम मेहनत में बहुत कुछ पाने की तमन्ना है और इसी वजह से यह उस चुनावी प्रबंधन पर पूरी तरह समर्पित हो जाना चाहती है, जो कॉरपोरेट कल्चर से निकली है। बीजेपी के एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि सेवा का रास्ता कोई दूसरा नहीं बता सकता। लेकिन अब चुनावी प्रबंधन के नाम पर निकले लोगों को दलों पर ही स्थापित करने का प्रयास दलों द्वारा हो तो फिर इसका मतलब यही निकला कि सेवा का कोई मूल्य नहीं, प्रबंधन ही सब कुछ है।

राजनीति के जो मंजे खिलाड़ी हैं, वे जानते हैं कि राजनीतिक सफलता के कौन से गुर हैं। जो समाजसेवा करते हुए तप चुका है, वही चुनावी रणनीति का पुरोधा हो सकता है। उत्तर प्रदेश विधानसभा में शाहजहांपुर से सुरेश खन्ना और कानपुर के महराजपुर से सतीश महाना दो ऐसे विधायक हैं, जिनकी जाति के एक हजार वोट भी उनके विधानसभा क्षेत्र में नहीं हैं। लेकिन ये दोनों लगातार नौ बार से चुनाव जीत रहे हैं। इसी तरह कांग्रेस के नेता प्रमोद तिवारी दस बार और समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां लगातार दस बार चुनाव जीत चुके है। इन सबने प्रबंधन से नहीं बल्कि सेवा और संवाद से मतदाता के मन में अपने लिए मजबूत जगह बनाई।

आखिर हम प्रबंधन में सफलता क्यों ढूंढना चाहते हैं? क्यों सेवा, संवाद और विचार में सफलता को नहीं खोज रहे हैं? याद आ रहा है कि नारायण दत्त तिवारी, वीर बहादुर सिंह, कल्याण सिंह, राजनाथ सिंह, मुलायम सिंह यादव सभी विधानमंडल दल की लंबी बैठकें करते थे और हर विधायक की बात बहुत ध्यान से सुनते थे। विधायक भी खुलकर अपनी बात कहते, जिससे पार्टी मजबूत हो। अब अपनी ही पार्टी के नेताओं पर भरोसा कम हो गया है।

यह संयोग भी बड़ा अर्थपूर्ण है कि जिस समय कांग्रेस पीके में सफलता के ब्रह्मास्त्र ढूंढ रही थी उसी दौरान पीके की कंपनी ने कांग्रेस की धुर विरोधी तेलंगाना की टीआरएस से चुनावी प्रबंधन का समझौता कर लिया। कांग्रेस से जुड़े एक वरिष्ठ नेता कहते हैं कि पार्टी को अपने युवा और अनुभवी नेताओं पर भरोसा करना चाहिए। उन्हीं से फीडबैक लेना चाहिए। उन्हीं से विचार लेना चाहिए और फिर जनता के बीच जाना चाहिए। कोई सेना भाड़े के सैनिकों से युद्ध नहीं जीत सकती। उसे अपने समर्पित सैनिकों पर भरोसा करना ही होगा।

आम लोगों से संवाद- विधानसभा चुनावों के दौरान एटा के जलेसर में एक निष्ठावान कांग्रेसी मिल गए। नाम था रामसेवक। जब उनसे पूछा कि कांग्रेस क्यों नहीं मजबूती से लड़ पा रही है, तो रामसेवक बोले, 'पार्टी ऐसे लोगो के भरोसे हो गई है जिन्हे जमीनी जानकारी नहीं।' कांग्रेस को आम लोगो के बीच जाकर संवाद स्थापित करना होगा। संघर्ष, संवाद और विचार से लड़ाई जीती जा सकती है। निष्ठावान कार्यकर्ताओं की फौज ही किसी पार्टी को बलशाली बना सकती है। जो लोग प्रबंधन में सफलता ढूंढना चाहते हैं वे भ्रम के शिकार हैं। शायद उन्हें जमीनी जानकारी नहीं है। (ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं)।

कांग्रेस की किसी भी चिंता को नहीं खत्म कर पाया चिंतन शिविर

(डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

इस चिंतन शिविर में एक भी वक्ता की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह इस पारिवारिक प्रपंच के विरुद्ध मुंह खोले। यह सुसंयोग है कि वर्तमान सत्तारुढ़ पार्टी अभी तक पारिवारिक प्रपंच में नहीं फंसी है, हालांकि वह भी लगभग उसी रास्ते पर चल पड़ी है।कांग्रेस का चिंतन-शिविर समाप्त हो गया लेकिन क्या वह उसकी चिंता समाप्त कर पाया? कांग्रेस की चिंता तो अब भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। कांग्रेस की चिंता वास्तव में भारत के लोकतंत्र की भी चिंता है, क्योंकि सशक्त विरोधी दल के बिना कोई भी लोकतंत्र जल्दी ही प्रवाह पतित हो सकता है। वैसा लोकतंत्र बिना ब्रेक की मोटर गाड़ी बन जाता है। किसी भी पार्टी को सशक्त होने के लिए नीति और नेता की जरूरत होती है। हम देखें कि इस उदयपुर शिविर में से किस नीति का उदय हुआ है। सोनिया गांधी ने कहा कि अब कांग्रेस भारत जोड़ो यात्रा चलाएगी। इस समय क्या भारत टूट रहा है? उसे जोड़ने की बजाय कांग्रेस को जोड़ना ज्यादा जरूरी है। कांग्रेस अंदर और बाहर दोनों तरफ से टूट रही है। स्वयं राहुल गांधी ने अपने भाषण में कहा है कि कांग्रेसी नेता हमेशा यही सोचते रहते हैं कि मुझे क्या मिला? (वैसे सोनिया, राहुल और प्रियंका को तो यह सोचने की जरूरत ही नहीं पड़ती है)। इसीलिए कांग्रेस हर प्रांत में अंदर से टूट रही है। मध्य प्रदेश में उसकी सरकार क्यों गिरी? राजस्थान और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्रियों की कुर्सियां क्यों डगमगाती रहती हैं? कांग्रेस के कई मुख्यमंत्री और मंत्री पार्टी छोड़कर विरोधी दलों में क्यों शामिल हो रहे हैं? इस वक्त कांग्रेस की सरकारें जिन प्रांतों में हैं, वे प्रांतीय नेताओं के दम पर टिकी हुई हैं? इसीलिए राहुल गांधी का यह कहना तर्कसंगत नहीं लगता कि भाजपा से सिर्फ अकेली कांग्रेस ही लड़ सकती है, वह एक मात्र अखिल भारतीय विरोधी पार्टी है और वह एक मात्र ऐसी पार्टी है, जिसके पास विचारधारा है। यहां कम्युनिस्ट पार्टी का जिक्र जरूरी नहीं है लेकिन क्या यह सत्य है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की कोई विचारधारा नहीं है? राहुल का कहना है कि भाजपा सिर्फ सत्तालोभी और देशतोड़ू पार्टी है। क्या कांग्रेस सत्तालोभी नहीं है? भाजपा के पास तो सही या गलत, एक विचारधारा है लेकिन कांग्रेस के पास क्या है? न उसके पास गांधीवाद है, न समाजवाद है, न गरीबी हटाओ है और न ही 'भारत को महासंपन्न बनाओ' या 'महाशक्ति बनाओ' है। उसके पास सिर्फ सत्तारुढ़ दलों की लचर-पचर आलोचना है, जो लोगों के सिर पर से निकल जाती है। उसके नेताओं को इस समय देश की नहीं, खुद की चिंता है। इसी चिंता ने इस महान पार्टी को अब प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बना दिया है। उसी की देखादेखी लगभग सभी प्रांतों में पारिवारिक पार्टियां खड़ी हो गई हैं। इस चिंतन शिविर में एक भी वक्ता की हिम्मत नहीं पड़ी कि वह इस पारिवारिक प्रपंच के विरुद्ध मुंह खोले। यह सुसंयोग है कि वर्तमान सत्तारुढ़ पार्टी अभी तक पारिवारिक प्रपंच में नहीं फंसी है, हालांकि वह भी लगभग उसी रास्ते पर चल पड़ी है। 50 साल से कम आयु के लोगों को प्रमुखता देने का इरादा तो ठीक है लेकिन उसमें से भी परिवारवाद की बू आ रही है। 'एक परिवार, एक टिकिट' की बात, उसमें भी 5 वर्ष की शर्त, क्या चोर दरवाजे से परिवारवाद को ही चलाना नहीं है? दूसरे शब्दों में इस चिंतन शिविर ने तो कांग्रेस के लिए न तो कोई नई नीति दी और न ही कोई नेता दिया।

खाना बर्बाद करना बंद करे!

(डॉ अश्वनी कुमार मल्होत्रा)

अमेरिका स्तिथ खाद्य सेवा में वैश्विक नेता के रूप में कंपास ग्रुप ने 2017 में विश्व भर में खाने की बर्बादी को लेकर 27 अप्रैल को 'भोजन की बर्बादी रोको दिवस' लांच किया। इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर भोजन की बर्बादी जो विश्व भर में एक गंभीर और बढ़ती समस्या है के खिलाफ लड़ाई में 30 ऐसे देशो में जहा कंपास ग्रुप के उपभोक्ता, कॉरपोरेट और प्रभावशाली व्यक्ति खाद्य अपशिष्ट की गंभीर समस्या के बारे में हर वर्ष 27 अप्रैल को जागरूकता बढ़ाने और परिवर्तन को प्रेरित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। भोजन, फल, सब्ज़ियां और अनाज की बर्बादी के कुछ आंकड़ों पर गौर करे । विश्व में जितना भी खाद्य पदार्थ की पैदावार होती है या खाना बनाया जाता है उसका लगभग 33 प्रतिशत किसी न किसी रूप में बर्बाद होता है।विश्व में जितनी भी फल, सब्ज़ियां और अन्य खाद्य पदार्थ की पैदावार होती है उनमे 45 प्रतिशत के करीब या तो बर्बाद होता है या खो जाता है।

अक्सर हम अक्सर देखते है की मौसम में बदलाब के कारण, कीटाणुओं के कारण या खुले में रखने से फसल, फल और सब्ज़िया बर्बाद होती है। चूहे जैसे जानवर भी अनाज की बोरिया काट देते है जिससे अनाज ख़राब होती है। इस नुक्सान से क़र्ज़ में डूबे कितने ही किसान देश में आत्महत्या कर लेते है या जीवन भर क़र्ज़ से उभर ही नहीं पाते । भारत जैसे विकासशील देश में अनाज और खाने की बर्बादी चिंता का विषय है। शादी और समारोहों में तो कई लोग अपने खाने की प्लेट को पहले इतना भर लेते है की उनसे खाया ही नहीं जाता और फिर उसे कूड़ेदान में फेक देते है ! अब कुछ स्वे संस्थाओं ने घर और होटल्स में बचे हुए खाने को इक्ठा करना शुरू किया है और फिर उन गरीब लोगों में बाँट देते है जिनको इस की जरूरत है। मगर खाने की बर्बादी को रोकने की पहल तो हमें अपने घर में और सरकारो को भी अपने स्तर पर करनी होगी ! ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

हिजाब का हिसाब से आगे का बिज़नेस

(पार्थसारथि थपलियाल)

भारतीय संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अनुच्छेद 19 में और जीने की स्वतंत्रता अनुच्छेद 21 में व्यक्त है। वैसे संविधान के अनुच्छेद 12 से 35 के मध्य भारतीय नागरिकों को मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सामाजिक और वैधानिक तौर पर विशेष दर्जा प्राप्त है। कम से कम 10 कानून तो ऐसे हैं जो महिलाओं के अधिकार, सम्मान और सुरक्षा से जुड़े हुए हैं। जैसे-दहेज निरोधक अधिनियम 1961, बाल विवाह निरोधक अधिनियम, हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 2005, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005, कार्यस्थल पर यौन हिंसा अधिनियम 2013, मातृत्व अधिनियम 2017 के अलावा भी कानून हैं जो महिला को सशक्त बनाने के लिए हैं।

इन अधिकारों की हवा कई रास्तों से निकाल दी जाती है जब इनका उपयोग उस भावना से नहीं किया जाता जिस भावना से वे कानून बनाए गए होते हैं। यह बात इसलिए उठाई जा रही है कि एक ओर कर्नाटक के एक महाविद्यालय में फरवरी 2022 में बुर्का पहनने को लेकर हंगामा हुआ। यह विचार, पक्ष और विपक्ष में बंटा। देशभर में चर्चाओं के दौर शुरू हुए। किसी ने धार्मिक स्वतंत्रता पर विरोध को कुठाराघात बताया तो किसी ने बुर्का को सभ्य समाज मे महिलाओं के अधिकार को दबाने का प्रयास बताया। संभवतः यह विवाद उतना न बढ़ता जितना मीडिया ने उसे हवा दी। कुछ लोगों का मानना है कि यह एक षड्यंत्र है।

यह बात समझ से बाहर हो जाती है कि यदि बुर्का पहनना धर्म विशेष का अंग है तो यह उस सामाजिक व्यवस्था की सभी महिलाओं के लिए होनी चाहिए। ये 'आधा तीतर आधा बटेर' की कहावत को क्यों ज़िंदा रखा गया है। मुस्लिम समाज की एक यौवना को मीडिया इन दिनों जिस तरह से हॉट कहकर दिखा रहा है उसकी भर्त्सना किसी ने नहीं की। आए दिन उनका नए-नए रूपों में प्रदर्शित होना कितना कलात्मक है यह खोज का विषय है। अश्लीलता से भरे 'बिग बॉस' हमारी किस संस्कृति को प्रदर्शित करता है इसके बारे में संस्कृति मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में महिलाओं के हित के लिए 1986 में बनाया गया कानून 'स्त्री अशिष्ट रूपण (निषेध) अधिनियम 1986' कितना सार्थक रह जाता है, यह समाज के लिए विचारणीय बिंदु है।

भारतीय समाज मे यह चर्चा का विषय कभी नहीं रहा कि कौन व्यक्ति क्या पहनें या न पहनें। समाज अनुकूल, कार्य अनुकूल, अवस्था और व्यवस्था अनुकूल सभ्य समाज ने मानवीय गरिमा को स्वतः बनाए रखा।

बहुराष्ट्रीय कंपनियों के जाल में उलझा भारत स्वच्छंदता और स्वतंत्रता के भेद को इस लिए नहीं समझ पाता क्योंकि ये कंपनियां भारतीय संस्कृति को भ्रष्ट और नष्ट करने के लिए वे सभी काम प्रचार प्रसार से करती हैं कि नाव धनाढ्य वर्ग उसके पिछलग्गू बन जाता है। उसका अंधानुकरण बाकी उत्साही लोग भी करते हैं। धंधा करती हैं बड़ी बड़ी कंपनियां, जो अपना माल बेचने के लिए महिलाओं का अश्लील प्रदर्शन करती है, सियार द्वारा नोचे जा रहे मृत जानवर की हिस्सेदारी में अप संस्कृति को बढ़ावा देता मीडिया भी गिद्ध की तरह आ धमकता है। बाजारों और चौराहों पर लगे बड़े बड़े होर्डिंग्स पर महिलाओं को जिन रूपों में प्रदर्शित किया जाता है वह 1986 में बने कानून के विरुद्ध होते हैं। ह्वञ्ज्ञ प्लेटफार्म पर बिना नियंत्रण के सब कुछ चलता है। संस्कृति जाए भाड़ में। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग है।

हमारी गरिमामयी संस्कृति में हमारे परिधान हमारी आभा को बढ़ाते हैं। आदमी जंगली जीवन से विकसित होकर सभ्य बना है लेकिन धन कमाने की होड़ ने आधुनिक समाज ने अनेक कुसंस्कारों को जन्म दिया है। धनाढ्य वर्ग के लिए यह किसी महत्व का विषय नही है, लेकिन सांस्कृतिक मर्यादाओं को ढोता समाज ठगा जा रहा है, वह नही समझ पा रहा है कि वह कपड़ा पहने या उतारे। यह गहन चिंतन का विषय है। किसको कहें और कौन सुने, सुने तो समझे नाहि। कहना, सुनना, समझना सब मन ही के मन माही।। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

चीन की चुनौती पर क्या है नेवी की तैयारी

हिंद महासागर रीजन की अहमियत का अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि यहां हर वक्त अलग-अलग देशों के 60 से ज्यादा वॉरशिप ऑपरेट करते हैं। एयरक्राफ्ट कैरियर से किसी भी देश की युद्ध क्षमता बढ़ती है क्योंकि यह सिर्फ अपने बेस के पास ही नहीं बल्कि किसी भी लोकेशन में जा सकता है। इसी साल भारतीय नौसेना को मिलने वाले एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रांत में 36 से 40 एयरक्राफ्ट तैनात किए जा सकेंगे। इनमें 26 फाइटर एयरक्राफ्ट और 10 हेलिकॉप्टर रखे जा सकते हैं। टेस्टिंग के दौरान ही इस पर मिग-29के तैनात किए जा चुके हैं, इसके अलावा इस पर कामोव-31 हेलिकॉप्टर, एमएच-60 आर मल्टीपरपज हेलिकॉप्टर तैनात होंगे।

(पूनम पाण्डे)

चीन और पाकिस्तान की ओर से लगातार बढ़ते खतरे को लेकर इंडियन नेवी बड़ी तैयारी में है। क्वॉड की कूटनीति तो चल ही रही है, इंडियन नेवी भी पिछले कुछ महीनों से क्वॉड के सदस्य देशों के साथ समुद्र में संयुक्त युद्धाभ्यास कर रही है। मगर इन सबमें सबसे जरूरी चीजें हैं हथियार। तो बता दें कि इंडियन नेवी इन दिनों बहुत सारे हथियार टेस्ट कर रही है।

बात एयरक्राफ्ट कैरियर से ही शुरू करें, जिस पर ढेरों लड़ाकू प्लेन रहते हैं और बड़ी दूर तक मार करते हैं। इंडियन नेवी को अगले तीन महीने में, यानी अगस्त तक अपना दूसरा और स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रांत मिलने जा रहा है। अभी तक नेवी के पास एक ही एयरक्राफ्ट कैरियर- आईएनएस विक्रमादित्य है। कीव कैटिगरी का यह कैरियर नेवी को 2014 में मिला था और फिलहाल पश्चिमी समुद्र तट पर तैनात है। लंबे समय से पूर्वी समुद्र तट पर विशाखापट्टनम में रखने के लिए एक एयरक्राफ्ट कैरियर चाहिए था। विक्रांत के नौसेना में शामिल होने के साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास एयरक्राफ्ट कैरियर बनाने की तकनीक है।

कहने की जरूरत नहीं कि कोचिन शिपयार्ड में बने विक्रांत से इंडियन नेवी को एक और मोबाइल एयरफील्ड यानी समुद्र में चलता-फिरता एयरपोर्ट मिल रहा है। चीन के पास अभी दो एयरक्राफ्ट कैरियर हैं। ये भारत के एयरक्राफ्ट कैरियर से बड़े हैं। चीन अपना तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर भी बना रहा है। उसकी परमाणु ईंधन से चलने वाले चौथे सुपर कैरियर बनाने की भी तैयारी है। चीन की योजना है कि 2030 तक 5 से 6 एयरक्राफ्ट कैरियर उसकी नौसेना में हों।

हिंद महासागर रीजन की अहमियत का अंदाजा इससे भी

लगाया जा सकता है कि यहां हर वक्त अलग-अलग देशों के 60 से ज्यादा वॉरशिप ऑपरेट करते हैं। एयरक्राफ्ट कैरियर से किसी भी देश की युद्ध क्षमता बढ़ती है क्योंकि यह सिर्फ अपने बेस के पास ही नहीं बल्कि किसी भी लोकेशन में जा सकता है। इसी साल भारतीय नौसेना को मिलने वाले एयरक्राफ्ट कैरियर विक्रांत में 36 से 40 एयरक्राफ्ट तैनात किए जा सकेंगे। इनमें 26 फाइटर एयरक्राफ्ट और 10 हेलिकॉप्टर रखे जा सकते हैं। टेस्टिंग के दौरान ही इस पर मिग-29के तैनात किए जा चुके हैं, इसके अलावा इस पर कामोव-31 हेलिकॉप्टर, एमएच-60 आर मल्टीपरपज हेलिकॉप्टर तैनात होंगे।

भारत ने भी नौसेना की ताकत बढ़ाने पर काम किया है। भारत का जोर स्वदेशी क्षमता बढ़ाने पर भी है। नौसेना के लिए इस वक्त कई स्वदेशी प्रॉजेक्ट पर काम चल रहा है। प्रॉजेक्ट-75 के तहत कुल छह सबमरीन बननी हैं। इनमें से चार सबमरीन बनकर नौसेना में शामिल भी हो गई हैं। पांचवी सबमरीन 'वागीर' का ट्रायल चल रहा है। प्रॉजेक्ट की छठी सबमरीन 'वागशीर' को कुछ दिन पहले ही समुद्र में उतारा गया, अब इसका भी वहीं ट्रायल होगा। ये दोनों सबमरीन नौसेना को अगले साल मिल जाएंगी। इसी तरह प्रॉजेक्ट-15 बी के तहत चार गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर बनने हैं। पिछले साल नवंबर में ही इस प्रॉजेक्ट का पहला डिस्ट्रॉयर 'विशाखापट्टनम' नौसेना में शामिल हुआ। दूसरा डिस्ट्रॉयर इसी साल, तीसरा 2024 में और चौथा डेस्ट्रॉयर 2025 में नौसेना को मिल जाएगा।

'विशाखापट्टनम' गाइडेड मिसाइल डिस्ट्रॉयर है और यह दुश्मन के रेडार की नजर से बचकर ऑपरेट कर सकता है। इसमें सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लगी हैं। इसमें आधुनिक सर्विलांस रेडार फिट हैं जो टारगेट का डेटा सीधे वॉरशिप के वेपन सिस्टम में भेज देगा। यह सबमरीन से भी निपटने में सक्षम है। यह डिस्ट्रॉयर न्यूक्लियर, बायोलॉजिकल और कैमिकल युद्ध भी ऑपरेट कर सकता है।

एक और प्रॉजेक्ट पर काम चल रहा है, जिसका नाम है प्रॉजेक्ट-17ए। इस प्रॉजेक्ट के तहत नीलगिरी क्लास फ्रीगेट बनाए जा रहे हैं। कुल सात फ्रिगेट बनने हैं। इनमें से 2 फ्रिगेट समुद्र में लॉन्च किए गए हैं, जल्द इनका ट्रायल शुरू होगा। फ्रीगेट और डिस्ट्रॉयर में साइज के साथ ही क्षमता का भी फर्क है। फ्रीगेट के मुकाबले डिस्ट्रॉयर करीब डेढ़ गुना बढ़ा होता है। फ्रीगेट किसी एक तरह के रोल के लिए ज्यादा उपयुक्त होता है और बाकी रोल में इसका इस्तेमाल रक्षात्मक रोल के लिए करते हैं। जबकि डिस्ट्रॉयर में कई रोल निभाने की क्षमता है। इसे एंटी सबमरीन, एंटी शिप या फिर एंटी एयरक्राफ्ट के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं और यह सभी में उतनी ही सटीकता से अपना रोल निभाता है। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

कंफर्ट जोन से बाहर आकर खुद को करें साबित

अपने करियर में हर कोई आगे बढ़ना चाहता है और सफल रहना चाहता है। आप भी अपने करियर में आगे बढ़ सकते हैं, बशर्ते कुछ संकल्पों का साथ न छोड़ें।

टीम भावना

यह कहावत आपने जरूर सुनी होगी कि अकेला चना भाड़ नहीं फोड़ सकता। बरसों पहले कही गई यह कहावत आज के प्रोफेशनल युग में भी पूरी तरह फिट बैठती है। सबको साथ लिए बगैर सफलता हासिल करना बहुत मुश्किल है। साथ लेकर चलना आज के युग में भी बहुत जरूरी है।
इसलिए अपने सहयोगियों के साथ सहयोगी वातावरण बनाएं। जरूरत पड़ने पर लोगों की मदद करें और उन्हें भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें।

एक्टिव रहें

एक्टिव रहने का यह मतलब नहीं है कि आप केवल मीटिंग के समय ही मौजूद रहकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का एक भी मौका अपने हाथ से न जाने दें। आज के इस युग में अपनी योग्यता, दूरदर्शिता तथा सोच को सही तरीके से पेश करना आना बहुत जरूरी है। अपने संपर्क बनाकर लोगों का सहयोग करना सीखें। केवल अपने ही काम तक सीमित न रहें। याद रखें, ऑफिस के बाहर भी एक दुनिया है।

एक्सपोजर जरूरी है

केवल प्रोफेशनल डिग्री या डिप्लोमा ही करियर में आगे बढ़ने के लिए काफी नहीं है। किताबी ज्ञान केवल विषयगत जानकारी बढ़ाएगा। अगर आप करियर में सफल होना चाहते हैं, तो आपको मुखर होना पड़ेगा। अपने को अच्छी तरह दुनिया के सामने प्रस्तुत करना होगा। यदि आप अपनी योग्यता को अपने अंदर ही छिपाकर रखेंगे, तो इससे किसका भला होगा? न तो कंपनी का और न आपका। एक्सपोजर के लिए जरूरी है कि आप अपने कार्य से संबंधित सेमिनार, वर्कशॉप, कॉन्फ्रेंस आदि अटेंड करें।

आरामपसंद न हों

बहुत-से लोगों की सोच होती है कि फलां संस्थान में काम करते हुए मुझे लंबा समय बीत गया है, इसलिए मुझे किसी प्रकार की चिंता करने की जरूरत नहीं है। करियर एक्सपर्ट्स का कहना है कि यह सोच ठीक नहीं है। लंबे समय तक चलने वाली नौकरी आपके लिए आरामदायक हो जाती है। परिचित माहौल, निश्चित कार्यक्रम, जाने-पहचाने लोग.इसलिए अब चिंता किस बात की.! मगर जब आप अपनी जॉब में आरामपसंद हो जाते हैं, तो समझ लें कि मुश्किल घड़ी दूर नहीं। स्वयं को साबित करने की जरूरत हमेशा रहती है। यदि आप सफल होना चाहते हैं, तो आरामतलबी छोड़कर आगे बढ़ें और नई चुनौतियां लें।

प्रोफेशनल बनें

अपने कार्यस्थल पर सबके साथ दोस्ताना व्यवहार रखना आगे बढ़ने के लिए बहुत जरूरी है। मगर आत्मीयता को एक हद से आगे बढ़ाना आपके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। करियर काउंसलर्स का कहना है कि कभी-कभी जरूरत से ज्यादा आत्मीयता करियर के लिए भी घातक बन जाती है। इसलिए कार्यस्थल पर न तो बहुत ज्यादा इमोशनल हों और न ही बहुत अधिक पर्सनल। ऑफिस में अपनी भावनाओं पर काबू रखकर ही आप आगे बढ़ सकते हैं।

नर्सिंग मात्र एक करियर ही नहीं, बल्कि एक श्रेष्ठ व पवित्र कार्य है। नर्स को मरीजों की लगातार देखभाल करनी होती है तथा डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं को बताए गए समयानुसार देनी होती हैं। ये ऑपरेशन थियेटर तथा प्रयोगशाला में उपकरण इत्यादि संयोजित करने में डॉक्टरों व विशेषज्ञों की सहायता भी करती हैं। नर्सेज उन रोगियों की भी सहायता करती हैं, जो किसी कारणवश सामान्य जिंदगी नहीं जी सकते हैं। साथ ही ये रोगियों को किसी लंबी बीमारी की स्थिति में उनके पुनः सामान्य जीवन की तरफ लौटने में मदद करती हैं।

सेवा को समर्पित है नर्स की जॉब

नर्स को मरीजों की लगातार देखभाल करनी होती है तथा डॉक्टर द्वारा दी गई दवाओं को बताए गए समयानुसार देनी होती हैं। ये ऑपरेशन थियेटर तथा प्रयोगशाला में उपकरण इत्यादि संयोजित करने में डॉक्टरों व विशेषज्ञों की सहायता भी करती हैं। नर्सेज उन रोगियों की भी सहायता करती हैं, जो किसी कारणवश सामान्य जिंदगी नहीं जी सकते हैं। साथ ही ये रोगियों को किसी लंबी बीमारी की स्थिति में उनके पुन : सामान्य जीवन की तरफ लौटने में मदद करती हैं।
इन सामान्य कार्यों के अलावा नर्सेज इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता भी हासिल कर सकती हैं : प्रसव, हृदय रोगों में देखभाल, इंटेंसिव केयर, विकलांग तथा बच्चों की देखभाल इत्यादि। इनके अलावा नर्सों के लिए अन्य अवसर भी उपलब्ध हैं, जैसे : शिक्षण, प्रशासन अनुसंधान से जुड़े जॉब आदि। हालांकि इस क्षेत्र में ज्यादातर महिलाएं ही होती हैं लेकिन अब पुरुष भी इस प्रोफेशन में रुचि दिखा रहे हैं।

चरणबद्ध प्रक्रिया

नर्स बनने के इच्छुक लोग विभिन्न स्तरों से इसकी शुरूआत कर सकते हैं। आप सहायक नर्स मिडवाइफ/हेल्थ वर्कर (एएनएम) कोर्स से शुरू कर सकते हैं। इस डिप्लोमा कोर्स की अवधि डेढ़ वर्ष है तथा न्यूनतम योग्यता है दसवीं पास। इसके अलावा आप जनरल नर्स मिडवाइफरी (जीएनएम) कोर्स भी कर सकते हैं, जोकि साढ़े तीन वर्ष का होता है। इसके लिए न्यूनतम योग्यता है 40 प्रतिशत अंकों के साथ भौतिक, रासायनिक एवं जीव विज्ञान में बारहवीं उत्तीर्ण।
एएनएम व जीएनएम के अलावा देश भर में फैले हुए विभिन्न नर्सिंग स्कूलों व कॉलेजों से नर्सिंग में स्नातक भी किया जा सकता है। इसके लिए न्यूनतम योग्यता है 45 प्रतिशत अंकों के साथ अंग्रेजी, भौतिक, रासायनिक एवं जीव विज्ञान में बारहवीं उत्तीर्ण तथा आयु कम से कम 17 वर्ष। बीएससी नर्सिंग (बेसिक के पश्चात) पाठ्यक्रम के लिए आप दो वर्ष के रेगुलर कोर्स या त्रिवर्षीय दूरस्थ शिक्षा वाले पाठ्यक्रम में से किसी एक को चुन सकते हैं। रेगुलर कोर्स के लिए जहां न्यूनतम योग्यता है 10+2+जीएन एम, वहीं दूरस्थ शिक्षा से यह कोर्स करने के लिए न्यूनतम योग्यता है 10+2+जीएनएम+ दो वर्ष का अनुभव। यह पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग कोर्स ही आधुनिक माना जाता है।
भारतीय रक्षा सेवाओं द्वारा संचालित बीएससी (नर्सिंग) कोर्स के लिए 17 से 24 वर्ष की महिलाओं का चयन किया जाता है। यहां भी न्यूनतम योग्यता भौतिक, रसायन, जीव विज्ञान तथा अंग्रेजी विषयों में 45 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं है। प्रार्थी को एक लिखित परीक्षा भी पास करनी होती है। उसे शारीरिक रूप से भी फिट रहना चाहिए। चयनित लोगों को रक्षा सेवाओं के लिए पांच वर्ष का अनुबंध करना होता है। जो विद्यार्थी उच्चतम शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, वह एमएससी, एमफिल तथा पीएचडी भी कर सकते हैं।

पदार्पण

यदि आप नर्सिंग को ही अपना प्रोफेशन बनाना चाहते हैं, तो 10वीं के उपरान्त ही एएनएम कोर्स के लिए आवेदन करना बेहतर रहेगा, अन्यथा आप स्कूलिंग करने के उपरान्त जीएनएम या बीएससी कोर्स कर सकते हैं।

रोजगार के अवसर

कहा जाता है कि नर्स कभी भी बेरोजगार नहीं रहती हैं। इन्हें आसानी से सरकारी अथवा निजी अस्पतालों, नर्सिंग होम, अनाथाश्रम, वृद्धाश्रम, आरोग्य निवास, विभिन्ना अन्य उद्योगों एवं रक्षा सेवाओं में नौकरी मिल जाती है। इनके लिए इंडियन रेड-क्रॉस सोसाइटी, इंडियन नर्सिंग काउंसिल, स्टेट नर्सिंग काउंसिल्स तथा अन्य नर्सिंग संस्थानों में भी कई अवसर हैं। यहां तक कि एएनएम कोर्स के बाद ही इन्हें सारे देश में फैले हुए प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवक के रूप में नौकरी मिल जाती है।
नर्सें मेडिकल कॉलेज व नर्सिंग स्कूलों में शिक्षण कार्य के अलावा प्रशासनिक कार्य भी कर सकती हैं। उद्यमी लोग अपना खुद का नर्सिंग ब्यूरो शुरू कर सकते हैं तथा अपनी शर्तों पर काम कर सकते हैं। देश में ही उपलब्ध अपार अवसरों के अलावा नर्सें बेहतर अवसरों की तलाश में विदेश भी जा सकती हैं, जिसके लिए उन्हें अंतराष्ट्रीय नर्सिंग प्रमाणपत्र प्राप्त करना होता है तथा संबंधित देश में प्रवास की कुछ शर्तों का पालन करना होता है।

वेतनमान

इस क्षेत्र में शुरूआती तौर पर आपको 7 से 17 हजार रुपए तक मासिक वेतन मिल सकता है। मिड-लेवल पदों पर नर्सें 18 से 37 हजार रुपए प्राप्त कर लेती हैं। अधिक अनुभवी नर्सों को 48 से 72 हजार रुपए तक भी मासिक वेतन के रूप में मिल सकते हैं। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन व पश्चिम एशिया के देशों में रोजगार पाने वाली नर्सों को इससे भी अधिक वेतन मिलता है।

मांग व आपूर्ति

तेजी से बढ़ती जनसंख्या के साथ बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण देश में नर्सों की कभी न समाप्त होने वाली मांग बन चुकी है। हालांकि इस बढ़ती मांग की तुलना में आपूर्ति बहुत कम है।

भूमिका एवं पदनाम

नर्स का पहला काम है जरूरतमंद लोगों को चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना तथा उनकी देखभाल करना। फिर भी, उनके कामों को इन भागों में विभक्त किया जा सकता है :
जनरल नर्स : इस श्रेणी की नर्सें अस्पताल, नर्सिंग होम व अन्य मेडिकल संस्थानों में कार्य करती हैं। इनका कार्य मरीजों की देखभाल करना, डॉक्टर की सहायता करना एवं प्रशासनिक कार्यों का निष्पादन करना होता है।
मिडवाइफ : ये नर्सें गर्भवती महिलाओं की देखभाल तथा प्रसव के दौरान डॉक्टरों की सहायता करती हैं।
स्वास्थ्य-सेविका : ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना इनका कार्य होता है।
इनके अलावा विशेषज्ञता जैसे विकलांग चिकित्सा नर्सिंग, कैंसर संबंधी नर्सिंग (ऑनकोलोजी नर्सिंग), कार्डिओ थोरेसिक नर्सिंग, साइकैट्रिक नर्सिंग, क्रिटिकल-केयर नर्सिंग इत्यादि के आधार पर भी इन्हें वर्गीकृत किया जा सकता है।

कैसे चुनें इंजीनियरिंग संस्थान?

इंजीनियरिंग करना चाहते हैं, तो अपने लिए सही ब्रांच तथा सही संस्थान का चयन करते समय सावधानी बरतें।

आपको 12वीं में चाहे कितने ही अच्छे अंक क्यों न मिले हों, लेकिन अगर आईआईटी या एनआईटी में दाखिला नहीं मिल पाता, तो सही इंजीनियरिंग कॉलेज का चुनाव करना मुश्किल हो जाता है क्योंकि मार्केट में आए दिन नए प्राइवेट इंजीनियरिंग कॉलेजे खुल रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप पहले खुद को काउंसलिंग के लिए तैयार करें। रैंक के अनुसार, अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें। आईआईटी में स्टूडेंट्स को काउंसलिंग के दौरान ही इंजीनियरिंग की विभिन्ना ब्रांचेज की जानकारी दे दी जाती है। इसके बाद स्टूडेंट्स पर निर्भर करता है कि वे अपने एप्टीट्यूड, रोजगार के अवसर और इंडस्ट्री की डिमांड को देखते हुए कोई स्ट्रीम चुनें।

क्या चेक करें?

जहां एडमिशन लेने जा रहे हैं, वहां संचालित कोर्स एआईसीटीई या संबंधित रेगुलेटरी बॉडी से मान्यता प्राप्त है या नहीं? अगर मान्यता प्राप्त है, तो उसकी अवधि कब तक है? इस बारे में रेगुलेटरी बॉडी की साइट पर जाकर चेक कर सकते हैं। संस्था और डिपार्टमेंट की वेबसाइट है कि नहीं? अगर नहीं है या उस पर पूरी इंफॉर्मेशन नहीं दी गई है, तो वहां एडमिशन लेने का रिस्क न लें।
वहां फैकल्टी का स्तर क्या है? फुलटाइम फैकल्टी मेंबर्स की संख्या का पता करें। स्टूडेंट-फैकल्टी रेशियो की जानकारी भी जरूर हासिल करें। यह भी देखें कि फैकल्टी कितनी अपडेटेड है और उसका इंडस्ट्री से कितना इंटरैक्शन होता है।
फैकल्टी की क्वॉलिफिकेशन के बारे में जानकारी रखें। कितने एमटेक या पीएचडी हैं? उन्होंने पीएचडी कहां से की है, यह जानना अच्छा रहेगा। ज्यादातर अच्छे संस्थानों में पीएचडी होल्डर ही फैकल्टी मेंबर होते हैं। अगर किसी कॉलेज में फैकल्टी मेंबर की क्वॉलिफिकेशन बीटेक या एमसीए से ज्यादा नहीं है, तो वहां जाना सही नहीं रहेगा। वैसे अधिकांश प्राइवेट इंस्टीट्यूट्स में वहीं से पासआउट स्टूडेंट्स को पढ़ाने की जिम्मेदारी सौंप दी जाती है। इसके बारे में जरूर पता कर लें। कॉलेज के कितने स्टूडेंट्स हायर टेक्निकल स्टडीज के लिए जाते हैं, इसकी भी जानकारी रखें। हरेक डिपार्टमेंट के रिसर्च आउटपुट और इंडस्ट्री इंटरैक्शन पर भी ध्यान दें।

बहुरंगी है कॉमर्स की दुनिया

कॉमर्स स्ट्रीम में पढ़ाई करने के बाद करियर के इतने ऑप्शंस खुल जाते हैं कि भविष्य संवारना काफी आसान हो जाता है।

'मुझे साइंस में इंट्रेस्ट था लेकिन कॉमर्स चैलेंजिंग लगता था, इसलिए 12वीं के बाद ही सीए बनने का फैसला कर लिया। दिल्ली के वेंकटेश्वर कॉलेज से बीकॉम करने के अलावा सीए की तैयारी की और 2003 में 21 साल की उम्र में पहले ही प्रयास में सीए क्वॉलिफाई कर लिया। मैं अपने खानदान की पहली लड़की थी, जो सीए बनी। मैंने होंडा, डीसीएम श्रीराम जैसी कंपनीज के साथ काम किया और फिर टीचिंग में रुचि के कारण 'सुपरप्रोफ' ' की फैकल्टी बन गई। सीए बनना उतना मुश्किल नहीं है, जैसी आम धारणा है। अगर आप मेहनत के साथ सही टाइम मैनेजमेंट कर लेते हैं, तो इसे आसानी से क्रैक किया जा सकता है। यह एक कंप्लीट पैकेज है, जिसमें आगे बढ़ने का काफी स्कोप है।' यह कहना है सुपरप्रोफ, बेंगलुरू की फैकल्टी पूनम मदान का। पूनम का अनुभव यह दर्शाता है कि कॉमर्स में खासा स्कोप है। यहां तक कि जिन विद्यार्थियों को साइंस आदि में रुचि है, वे भी इसमें सफल करियर बना सकते हैं। कॉमर्स की पढ़ाई करने के बाद आपके सामने कई ऑप्शंस खुल जाते हैं, मसलन : कंपनी सेक्रेटरीशिप, कॉस्ट एंड वर्क एकाउंटेंसी, चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट, बैंकिंग, इनवेस्टमेंट, इंश्योरेंस।

एलिजिबिलिटी

कॉमर्स फील्ड में करियर बनाने के लिए यूं तो बीकॉम काफी है लेकिन आप अगर उच्च पदों पर काम करना चाहते हैं, तो एमकॉम करना ठीक रहेगा। बीकॉम में दाखिले के लिए कॉमर्स के साथ 12वीं करना होता है। वैसे, आप बीबीए, एमबीए करके भी इसमें प्रवेश कर सकते हैं। कॉमर्स फील्ड में सबसे अधिक मांग सीए की होती है। वह एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन तीनों में स्पेशलाइजेशन रखता है।

भाजपा को मोदी का संदेश : ऐसे लोगों को जोड़ें, जिनका परिवार राजनीति में नहीं

वंशवाद की राजनीति से भ्रष्टाचार को बढ़ावा

जयपुर

जयपुर में चल रही भाजपा की राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस का नाम लिए बिना परिवारवाद की राजनीति को ही प्रमुखता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ये परिवारवादी पार्टियां आज भी देश को पीछे ले जाना चाहती हैं। उनका सार्वजनिक जीवन परिवार से शुरू होता है और सिर्फ परिवार के लिए ही होता है। बैठक को वर्चुअली संबोधित करते हुए मोदी करीब 43 मिनट बोले।

ऐसे लोगों को जोड़ें, जिनका परिवार राजनीति में नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें ऐसे लोगों को भाजपा में मौका देना है, उन्हें पार्टी से जोड़ना है, जिसका राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है। हमें याद रखना है कि परिवारवाद की राजनीति से धोखा खाने वाले लोगों का भरोसा भाजपा ही लौटा सकती है। परिवार-वंशवाद की राजनीति ने देश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है। लोकतंत्र बचाने के लिए परिवारवाद की राजनीति के खिलाफ संघर्ष करना होगा।

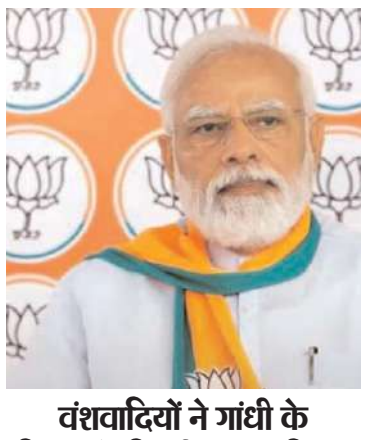

वंशवादियों ने गांधी के विजन के विपरीत काम किया

उन्होंने कहा कि वंशवाद के राजनीतिक कीचड़ में भी हमने कमल को खिलाया है। आजादी के बाद से परिवारवाद-वंशवाद की राजनीति ने देश का भयंकर नुकसान किया है। महात्मा गांधी का देश में सिर्फ नाम लिया गया, काम उनके विजन से उल्टे किए गए। वे देश में स्वावलंबन चाहते थे, लेकिन सालों तक देश को विदेशों पर निर्भर बना दिया गया, लेकिन आज देश आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चल पड़ा है। ये काम भाजपा ने ही किया है।

जनता भाजपा की तरफ विश्वास से देख रही है

मोदी ने कहा- दुनिया आज भारत को बहुत उम्मीदों से देखती है। ऐसे ही देश की जनता भाजपा को बहुत उम्मीद और विश्वास से देख रही है। देश की जनता का आकांक्षा हमारा दायित्व बढ़ा देती है। देश अपने लिए अगले 25 साल के लक्ष्य तय कर रहा है, भाजपा भी आने वाले सालों का लक्ष्य तय करे। देश के लोगों की उम्मीदें पूरी करनी हैं। देश के सामने चुनौतियों को लोगों के साथ मिलकर परास्त करना है।

भाजपा ने देश को निराशा से बाहर निकाला:- मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकार की कोई जवाबदेही नहीं बची थी और लोगों को भी सरकार से उम्मीद नहीं थी। 2014 के बाद भाजपा देश को निराशा से बाहर निकालकर लाई है। देश का नागरिक अपनी आंखों के सामने परिणाम प्राप्त करना और परिणाम देखना चाहता है। राजनीतिक नफा-नुकसान से अलग इसे बहुत बड़ा सकारात्मक परिवर्तन मानता हूं। जब लोगों की उम्मीद बढ़ती है तो सरकार को काम करना अनिवार्य होता है।

विकासवाद की राजनीति की स्थापना होनी चाहिए

मोदी ने कहा कि देश में विकासवाद की राजनीति की स्थापना होनी चाहिए। कोई भी दल हो, उसको भी विकासवाद की राजनीति पर आने के लिए मजबूर करना है। हम बड़े गर्व से कहते हैं कि यह भाजपा है, जिसने विकासवाद की राजनीति को देश की राजनीति की मुख्यधारा में लेकर आई है। कोई भी चुनाव हो, विकास पर विश्वास करने वाले लोग हों या समाज को तोड़ने की राजनीति करने वाले हों, चुनाव में हर किसी को विकास की बात करनी पड़ती है। कुछ लोगों ने विकास को भी विकृत रूप दे दिया है, ऐसे लोग समाज में तनाव को ढूंढकर जातिवाद, क्षेत्रवाद और अन्य मामले उठाकर अपना स्वार्थ सिद्ध करते हैं। ये लोग समाज की कमजोरियों के साथ खेल रहे हैं।

जुमे पर ज्ञानवापी हाउसफुल

नमाज पढ़ने पहुंचे 1000 से ज्यादा लोग गेट बंद करना पड़ा, कमांडो भी तैनात

वाराणसी

वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में शुक्रवार यानी जुमे के दिन 1000 से ज्यादा लोग नमाज पढ़ने पहुंच गए। हालात यह हो गए कि मस्जिद हाउसफुल हो गई। फिर भी बाहर भारी भीड़ रह गई। इसके बाद मसाजिद कमेटी ने तुरंत मेन गेट बंद कर दिया। लाउडस्पीकर पर लोगों से दूसरी मस्जिदों में नमाज पढ़ने की अपील की गई। उधर, जुमे को देखते हुए सुबह से ही वाराणसी में हाई अलर्ट कर दिया गया था। ज्ञानवापी के बाहर एहतियातन भारी संख्या में कमांडो और फोर्स को तैनात किया गया। अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के सदस्य का कहना है कि ज्ञानवापी की क्षमता लगभग 700 लोगों की है। अंदर जगह फुल हो गई है। इसलिए अब और लोग ज्ञानवापी न आएं।

जितने नमाजी पहुंचे, उतने आमतौर पर नहीं आते थे

कोर्ट के पहले ज्ञानवापी का सर्वे शुरू होने के पहले आमतौर पर यहां इतने लोग नमाज पढ़ने नहीं आते थे। लेकिन, सर्वे के बाद से यहां काफी भीड़ उमड़ रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि 6 मई को जब सर्वे शुरू हुआ था तब पहली बार भारी संख्या में नमाजी आए थे। इसके बाद आज जुमे पर काफी भीड़ देखी गई है।

सुबह अपील की थी- यहां ज्यादा लोग न आएं

ज्ञानवापी में सर्वे विवाद के बाद जुमे पर ज्यादा भीड़ आने की उम्मीद पहले ही थी। इसे लेकर ज्ञानवापी की देखरेख करने वाली अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी के जॉइंट सेक्रेटरी एसएम यासीन ने मुस्लिम समाज के लोगों से कम से कम संख्या में आने की अपील की थी। यासीन ने कहा, हमने लोगों से अपील की है कि वह ज्यादा संख्या में ज्ञानवापी मस्जिद न आएं। बल्कि, अपने घर के आसपास की मस्जिदों में ही जुमे की नमाज अदा कर लें।

जेल के बाहर भावुक हुए आजम : समर्थकों से गले मिलते वक्त आंखें भर आईं; शिवपाल ने रिसीव किया, अखिलेश का ट्वीट- स्वागत है

रामपुर

रामपुर से सपा विधायक आजम खान 27 महीने बाद शुक्रवार को सीतापुर जेल से रिहा हो गए। सुबह 8 बजे जेल से बाहर आए आजम को उनके दोनों बेटों अब्दुल्ला और अदीब ने रिसीव किया। शिवपाल यादव भी इस दौरान साथ रहे। जेल से आजम सीधे सीतापुर में अपने करीबी पूर्व विधायक अनूप गुप्ता के घर पहुंचे। वहां समर्थकों ने आजम को घेर लिया। समर्थकों से गले मिलने के दौरान आजम भावुक हो गए। उनकी आंखें भर आईं। इधर, अखिलेश यादव ने भी आजम की रिहाई पर सुबह पहला ट्वीट किया।

उन्होंने कहा- रिहा होने पर हार्दिक स्वागत है। प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव ने सीतापुर जेल के बाहर पहुंचकर आजम खान से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच कुछ देर तक बातचीत हुई। फिर शिवपाल अपनी गाड़ी से लखनऊ के लिए रवाना हो गए। मीडिया से बात करते हुए शिवपाल ने कहा कि- आजम खान हमारे साथी हैं।

आजम की पत्नी ने अखिलेश के सवाल पर साधी चुप्पी

आजम की पत्नी तंजीन फातिमा ने तो अखिलेश के बारे में कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। उन्होंने बताया कि मैं उनके (अखिलेश यादव) बारे में कुछ नहीं कहना चाहती। कोर्ट ने हमें राहत दी है, मैं उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं जिन्होंने मुश्किल समय में हमारा साथ दिया।

पूर्व विधायक के घर पहुंचे आजम

सीतापुर जेल से बाहर निकलकर आजम खान पूर्व विधायक अनूप गुप्ता के घर पहुंचे। जहां आजम खान ने समर्थकों से मुलाकात की और नाश्ता किया। समर्थकों से गले मिलते वक्त आजम खान भावुक भी नजर आए। यहां से आजम खान रामपुर के लिए रवाना हो गए। आजम की रिहाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस नेता और वकील कपिल सिब्बल ने पैरवी की। सिब्बल ने आरोप लगाया था कि यूपी सरकार उनके मुवक्किल को राजनीतिक द्वेष का शिकार बना रही है।

जम्मू-कश्मीर में बड़ा हादसा : रामबन में निर्माणाधीन टनल का हिस्सा ढहा, 13 मजदूर फंसे

3 को बचाया गया; रेस्क्यू जारी

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के रामबन और रामसू के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक निर्माणाधीन टनल का हिस्सा ढह गया। इससे वहां काम कर रहे 13 मजदूर मलबे में फंस गए। 3 मजदूरों को रेस्क्यू कर लिया गया है। वहीं, जम्मू-कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का कहना है कि मलबे में अभी भी 10 मजदूर फंसे हैं। रामबन के डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि बचाव अभियान अभी जारी है। हादसा गुरुवार रात करीब 10 बजे रामबन जिले के मेकरकोट इलाके में जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे के पास खूनी नाले पर हुआ, जहां टनल बनाई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, टनल के ढहने के तुरंत बाद पुलिस और सेना ने एक संयुक्त बचाव अभियान शुरू कर दिया था। इस हादसे में सुरंग के सामने खड़े वाहनों बुलडोजर, ट्रकों सहित कई मशीनों को भी नुकसान पहुंचा है। लापता मजदूरों में 5 पश्चिम बंगाल, दो नेपाल, एक असम और दो जम्मू-कश्मीर के निवासी हैं।

न्यूज ब्रीफ

जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ की नाकाम कोशिश, एक आतंकी ढेर

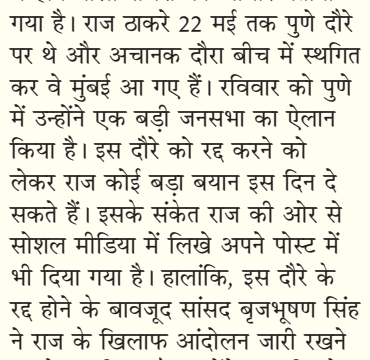

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के तंगदार में आतंकवादियों ने घुसपैठ की। इस दौरान सेना ने उन पर फायरिंग कर दी। कार्रवाई में एक आतंकवादी मारा गया। फिलहाल, ऑपरेशन जारी है। हालांकि, ये साफ नहीं हो पाया है कि कितने आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

क्या विरोध के आगे झुके राज ठाकरे : एमएनएस चीफ ने अयोध्या दौरा किया रद्द

मुंबई। लगातार जारी विरोध के बीच महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे का अयोध्या दौरा स्थगित हो गया है। इसकी आधिकारिक पुष्टि भले ही राज ठाकरे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से की है, लेकिन दैनिक भास्कर ने कुछ दिन पहले ही यह बताया था कि राज के राजनीतिक सलाहकारों ने उन्हें अपना दौरा स्थगित करने की सलाह दी है। पार्टी की ओर से मनसे चीफ की पैर में होने वाली सर्जरी को आधार बताया गया है। राज ठाकरे 22 मई तक पुणे दौरे पर थे और अचानक दौरा बीच में स्थगित कर वे मुंबई आ गए हैं। रविवार को पुणे में उन्होंने एक बड़ी जनसभा का ऐलान किया है। इस दौरे को रद्द करने को लेकर राज कोई बड़ा बयान इस दिन दे सकते हैं। इसके संकेत राज की ओर से सोशल मीडिया में लिखे अपने पोस्ट में भी दिया गया है। हालांकि, इस दौरे के रद्द होने के बावजूद सांसद बृजभूषण सिंह ने राज के खिलाफ आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वे 5 जून को सरयू तट पर भव्य आरती कर 10 लाख लोगों के साथ 5 जून को अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

टेरर फंडिंग केस में यासीन मलिक दोषी करार

अलगाववादी नेता की सजा पर 25 मई से बहस होगी; अपने गुनाह कबूल कर चुका है यासीन

श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के अलगाववादी नेता यासीन मलिक को टेरर फंडिंग केस में एनआईए की कोर्ट ने दोषी करार दिया है। मलिक को कितनी सजा मिलेगी इस पर अदालत में 25 मई से बहस शुरू होगी। कोर्ट ने एनआईए को मलिक की आर्थिक स्थिति पर रिपोर्ट सौंपने का भी आदेश दिया है। इसी महीने की शुरुआत में मलिक ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को कबूला था। इसमें क्र सहित उस पर लगे सभी आरोप मान लिए। इसमें आतंकी गतिविधियों में शामिल होना, कश्मीर में शांति भंग करने, गैरकानूनी गतिविधियों, आपराधिक साजिशें रचना शामिल है।

मलिक ने आरोपों को चुनौती देने से किया इनकार:- मलिक ने कोर्ट में कहा कि वह क्र की धारा 16 (आतंकवादी गतिविधि), 17 (आतंकवादी गतिवधि के लिए धन

जुटाने), 18 (आतंकवादी कृत्य की साजिश रचने), व 20 (आतंकवादी समूह या संगठन का सदस्य होने) और भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) व 124-ए (देशद्रोह) के तहत खुद पर लगे आरोपों को चुनौती नहीं देना चाहता। मलिक 2019 से दिल्ली की तिहाड़ जेल में है। 10 मई को पिछली सुनवाई में अदालत ने कहा था कि मलिक ने आजादी के नाम पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए दुनिया भर से फंडिंग के नाम पर पैसे लिए। कोर्ट ने फारूक अहमद डार उर्फ बिट्टा कराटे, शब्बीर शाह, मसर्रत आलम, मोहम्मद यूसुफ शाह, आफताब अहमद शाह, अल्ताफ अहमद शाह, नईम खान, मोहम्मद अकबर खांडे, राजा मेहराजुद्दीन कलवाल, बशीर अहमद भट, जहूर अहमद शाह वटाली, शब्बीर अहमद शाह, अब्दुल राशिद शेख, और नवल किशोर कपूर सहित अन्य कश्मीरी अलगाववादी नेताओं के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय किए थे। आरोप पत्र लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के संस्थापक हाफिज सईद और हिजबुल मुजाहिदीन के प्रमुख सैयद सलाहुद्दीन के खिलाफ भी दायर किया गया था, जिन्हें मामले में भगोड़ा घोषित किया गया है।

24 घंटे में मिले 1,716 नए केस, 3 मरीज की मौत; 400 एक्टिव मरीज कम हुए

नई दिल्ली

देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 1,716 नए मामले सामने आए हैं और 3 मरीजों की मौत हो गई। अच्छी बात यह है कि बीते दिन 2,111 मरीजों की रिपोर्ट निगेटिव आ गई। इस तरह से देश में कोरोना का इलाज करवा रहे 400 मरीज कम हुए हैं। देश में अभी 13 हजार 678 मरीज कोरोना संक्रमित हैं, जिनका इलाज चल रहा है। अगर बुधवार के आंकड़ों को देखें तो कोरोना से मरने वाले मरीजों की संख्या में काफी कमी आई है। बुधवार को 33 मरीजों की मौत हुई थी, जबकि 1,829 नए मरीज सामने आए थे। एक दिन पहले मंगलवार को देश में कोरोना के 1,569 मरीज मिले थे और 19 संक्रमितों की मौत हुई थी। कोरोना के रिकवरी रेट पर नजर डालें तो यह बढ़कर 98.75 फीसदी पहुंच गया है। वहीं डेली पॉजिटिविटी रेट में मामूली बढ़त देखने को मिली है। गुरुवार को देश में पॉजिटिविटी रेट 0.50 फीसदी दर्ज किया गया, जबकि एक दिन पहले,

यानी बुधवार को यह 0.42 फीसदी था। देश में कोरोना टीकाकरण अभियान भी तेज है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 18 मई को 13 लाख 71 हजार 603 डोज लगाए गए। देश में अब तक 191 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन के डोज लग चुकी है।

दिल्ली में एक्टिव केस 2 हजार के पार:- कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित राज्य की बात करें तो दिल्ली में 520 नए केस दर्ज किए गए, जबकि एक मरीज की मौत हो गई। यहां कोरोना के एक्टिव केस 2,377 हैं। महाराष्ट्र में बीते दिन 316 नए केस मिले और एक भी मरीज की जान नहीं गई। वहीं उत्तर प्रदेश में 129 नए मामले सामने आए और 2 मरीजों की मौत हो गई। अगर टेस्टिंग की बात करें तो क्र अव्वल रहा, यहां 1 लाख 12 हजार 315 लोगों का टेस्ट किया गया।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज़ ब्रीफ

लखनऊ वालों से राय लेकर तय हुआ था नाम

लखनऊ सुपर जायंट्स ने दुनियाभर से 700 करोड़ के खिलाड़ी ख़रीदे, यूपी के सिर्फ 3 खिलाड़ियों की हुई ख़रीद

नई दिल्ली। आईपीएल के 15वें सीजन में शामिल की गई दो नई टीमों में से एक टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन पहले मैच से ही शानदार रहा। अब तक 14 में से 9 मुकाबले जीतने वाली लखनऊ टीम ने यह साबित कर दिया है कि टॉपर से जीतना मुश्किल जरूर हो सकता लेकिन असंभव नहीं । एकजुटता और संघर्ष करने की लगन से जीत मिलना मुश्किल नहीं है। इसी चीज को टीम के खिलाड़ियों ने निरंतर जारी रखा। टीम के सुपर प्रदर्शन को प्रदेशवासी एक तोहफे के तौर पर देख रहे है। सुपर जाइंट्स ने आईपीएल विजेता रही चेन्नई सुपर किंग्स, मुंबई इंडियंस और कोलकाता को तो हराया ही साथ ही हैदराबाद और पंजाब को भी धूल चटाने का काम किया है। इसके बाद से टीम लखनऊ से उप्र के लोगों की एक्सपेक्टेशन काफी बढ़ गई है।

कितने में खरीदी गई लखनऊ की टीम?

आरपीएसजी (आरपी संजीव गोयनका) ग्रुप ने इस टीम को 7090 करोड़ में खरीदा।

लखनऊ सुपर जाइंट्स की नींव कैसे पड़ी?

आईपीएल में 10 टीमों को खिलाए जाने की योजना में लखनऊ सुपर जायंट्स की स्थापना करने का बल मिला, इसी के चलते टीम की नींव डालने में सफलता मिली। टीम के ओनर इससे पहले भी आईपीएल में 2016-17 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के नाम से एक टीम लॉन्च कर चुके है।

लखनऊ का मालिक कौन है, क्यों टीम बनाई?

लखनऊ सुपर जायंट्स के ओनर देश के प्रसिद्ध व्यवसायी संजीव गोयनका हैं। उनके क्रिकेट प्रेम ने ही टीम बनाने को प्रेरित किया।

नाम किसने रखा?

लखनऊ सुपर जायंट्स टीम को बनाने के लिए टीम के ओनर संजीव गोयनका ने लखनऊ वासियों से सुझाव मांगे थे, जिसमें 8 से 9 नाम शॉर्टलिस्ट किए गए थे, जिसके बाद टीम मैनेजमेंट और ओनर ने लखनऊ सुपर जायंट्स नाम चुना।

टीम बनाने का पहला कदम क्या था?

टीम लखनऊ सुपर जायंट्स बनने पहले ही ओनर संजीव ने मेंटर का चयन करने में सफलता पाई, जिसमें उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ओपनिंग बल्लेबाज गौतम गंभीर को चुना। फिर मेंटर और टीम ओनर ने मिलकर टीम मैनेजमेंट बनाया। जिसमें सीईओ से लेकर टीम के कप्तान तक को चुनने की प्रक्रिया पूरी की गई।

सबसे पहले किसकी नियुक्ति हुई, कोच या स्टाफ?

सबसे पहले कप्तान केएल राहुल को बनाया गया। इसके बाद तीन खिलाडियों से संपर्क किया गया जिनमें मार्कस स्टॉयनिस, रवि बिश्नोई और क्विंटन डिकॉक शामिल थे। इसके बाद चारों खिलाड़ियों से चर्चा के बाद टीम के कोच ज़िम्बाब्वे के पूर्व कप्तान एंडी फ्लॉवर को चुना गया।

फिंच के ख़राब फॉर्म का ऑस्ट्रेलिया के प्रदर्शन पर पड़ेगा असर : वॉटसन

मुंबई

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई हरफ़नमौला शेन वॉटसन का मानना है कि आगामी टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ऐरन फ़िंच के ख़राब फ़ॉर्म का असर टीम के प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि फ़िंच की टीम में जगह सिर्फ़ इसलिए नहीं सुनिश्चित होना चाहिए क्योंकि वह कप्तान हैं। पिछले कुछ समय से फ़िंच का फ़ॉर्म अच्छा नहीं रहा है। पाकिस्तान में उन्होंने अर्धशतक लगाकर फ़ॉर्म में वापसी के संकेत दिए थे लेकिन आईपीएल में उन्होंने फिर निराश किया है। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए इस सीज़न पांच पारियों में सिर्फ़ 86 रन बनाए हैं, जिसमें एक 58 रन की पारी शामिल है।

फ़िंच की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने पिछले साल टी20 विश्व कप जीता था। उन्हें नए कोच ऐंड्रयू मकडोनाल्ड और राष्ट्रीय चयनकर्ता जॉर्ज बेली का समर्थन भी प्राप्त है। हालांकि वॉटसन का कहना है कि फ़िंच का यह फ़ॉर्म जारी रहा तो उन्हें टीम में भी नहीं होना चाहिए।

ग्रेड क्रिकेटर पॉडकास्ट में बात करते हुए वॉटसन ने कहा, आईपीएल में जो हमने देखा, उससे साफ़ पता चलता है कि वह अपने फ़ॉर्म के क़रीब भी हैं। उन्होंने अपनी तकनीक और माइंडसेट के साथ जो भी किया हो लेकिन वह अपने सर्वश्रेष्ठ से बहुत दूर हैं। अगर उनका यही फ़ॉर्म जारी रहता है तो सिर्फ़ कप्तानी की वजह से उन्हें टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। उन्हें उसी तरह से बाहर का रास्ता दिखा देना चाहिए, जैसे आईपीएल में कोलकाता ने दिखाया है। वॉटसन ने आगे कहा, वह नि:संदेह दुनिया के बेहतरीन सीमित ओवर खिलाड़ियों में से एक हैं। मैंने उनके साथ एक 150 रन की साझेदारी की है।

लेकिन वह अभी उस टच से बहुत दूर दिख रहे हैं। मुझे लगता है कि पहले टीम चुनी जानी चाहिए, फिर उसमें से एक कप्तान चुना जाना चाहिए। कप्तानी के विकल्पों के बारे में बात करने पर वॉटसन ने कहा, भले ही सैंड पेपरगेट प्रकरण के कारण लगे प्रतिबंध की वजह से वॉर्नर टीम का नेतृत्व नहीं कर सकते, लेकिन इसका पुनर्मूल्यांकन किया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि उन्हें उनके किए की सजा कई रूप में मिल चुकी है। उस घटना के चार साल बाद देखा जाना चाहिए कि एक इंसान व क्रिकेटर के रूप में उनमें कितने बदलाव हुए हैं और अगर सब कुछ सही हुआ तो सजा में परिवर्तन भी होना चाहिए। आपको बता दें कि वॉटसन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटरों के संघ के अध्यक्ष भी हैं। हालांकि वॉटसन ने उम्मीद जताई कि फ़िंच आगामी आने वाले कुछ सीरीज़ में फ़ॉर्म में आ सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप से पहले श्रीलंका, न्यूज़ीलैंड, भारत और वेस्टइंडीज़ से टी20 सीरीज़ खेलना है।

कोहली के विराट अर्धशतक से बेंगलुरु की प्लेऑफ की उम्मीदें बरक़रार

मुंबई

विराट कोहली ने आखिरकार ख़राब फ़ॉर्म को पीछे छोड़ा और 73 रन बनाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के प्लेऑफ़ में जाने की उम्मीदों को बरक़रार रखा। हालांकि प्लेऑफ़ में जाने के लिए उन्हें मुंबई इंडियंस की मदद चाहिए होगी। अगर दिल्ली कैपिटल्स मुंबई को हरा देती हैं तो बेहतर नेट रन रेट होने के कारण वह चौथे स्थान पर पहुंच जाएगी और बेंगलुरु का सफ़र समाप्त हो जाएगा। बेंगलुरु की जीत ने पंजाब किंग्स और सनराइज़र्स हैदराबाद के टॉप चार में पहुंचने की संभावनाओं को ख़त्म कर दिया। कोहली के गुजरात टाइटंस के विरुद्ध इस सीज़न के दूसरे अर्धशतक की बदौलत बेंगलुरु ने 169 के लक्ष्य को हासिल कर लिया। दूसरे छोर पर फ़ाफ़ डुप्लेसी ने कोहली का साथ दिया और 115 रनों की सलामी साझेदारी में 44 रनों का योगदान दिया। डुप्लेसी के आउट होने के बाद अपने अगले ही ओवर में राशिद ख़ान ने कोहली को चलता किया लेकिन मैच तब तक बेंगलुरु की तरफ़ झुक गया था। ग्लेन मैक्सवेल ने एक तूफ़ानी पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई। जब बेंगलुरु के विशेषज्ञ डेथ गेंदबाज़ हर्षल पटेल एक ही ओवर डालने के बाद चोटिल हो

गए, तब किसी ने इतनी दमदार जीत की कल्पना भी नहीं की होगी। दाएं हाथ में चोट लगने के बाद हर्षल मैदान से बाहर चले गए थे। हार्दिक पंड्या (62 नाबाद) और राशिद (19 नाबाद) के फ़िनिशिंग टच के बावजूद बेंगलुरु वानखेड़े की धीमी पिच पर गुजरात को 168 के स्कोर पर रोकने में क़ामयाब रही।

मैक्सवेल ने दिखाया मैजिक

गुरुवार को एक हाथ से लाजवाब कैच लपककर मैक्सवेल ने अपना पहला योगदान दिया। इसके बाद उन्होंने पावरप्ले में दो ओवर डाले, केवल दो रन दिए और मैथ्यू वेड को चलता किया। वेड अंपायर के निर्णय से निराश थे क्योंकि उन्हें लगा कि पगबाधा दिए जाने से पहले गेंद उनके बल्ले का निचला किनारा लेकर पैड पर लगी थी। उन्होंने रिव्यू की मांग की और अल्ट्रा-ऐज पर कोई थिरकन नहीं हुई। दूसरे रिप्ले से लग रहा था कि गेंद बल्ले पर लगने के बाद पैड से टकराई थी लेकिन तीसरे अंपायर ने पास फ़ैसले को बदलने के लिए पुख्ता सबूत नहीं था। 14 रन के स्कोर पर हार्दिक का विकेट मैक्सवेल को मिल जाता अगर लॉन्ग ऑन पर सुयश प्रभुदेसाई कैच नहीं टपकाते।

मिलर-हार्दिक का पलटवार

जब डुप्लेसी के डायरेक्ट हिट ने ऋद्धिमान साहा को नौवें ओवर में चलता किया, गुजरात का स्कोर 62 रन पर तीन विकेट था। डेविड मिलर, हार्दिक का साथ देने क्रीज़ पर आए और इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 61 रन जोड़े। हार्दिक स्पिन को मदद कर रही पिच पर टाइमिंग के लिए संघर्ष कर रहे थे। एक गेंद पर तो उन्होंने इतनी ताक़त के साथ बल्ला घुमाया कि बल्ला ही उनके हाथों से फिसलकर स्क्वेयर लेग की ओर चला गया। स्पिन के ख़िलाफ़ मिलर ने आक्रामक रुख़ अपनाया और मैक्सवेल और शाहबाज़ अहमद की गेंदों पर 23 रन बटोरे।

किंग कोहली का जलवा

पावरप्ले में 34 रन बनाकर कोहली ने बेंगलुरु की पारी को वह तेज़ी प्रदान की जिसकी उन्हें ज़रूरत थी। वानखेड़े स्टेडियम में मौजूद दर्शक उनका समर्थन कर रहे थे और उन्होंने तीसरे ओवर में मोहम्मद शमी की गेंद को उनके सिर के ऊपर से चौके के लिए भेजा।

फीफा विश्व कप

पहली बार पुरुष वर्ल्ड कप में महिला ऑफिशियल होंगी

फीफा के घोषित 36 रेफरी पैनल में 6 महिलाएं भी

लंदन

इस बार फीफा वर्ल्ड कप में कई चीजें पहली बार हो रही हैं। पहली बार फुटबॉल वर्ल्ड कप मिडिल ईस्ट (कतर) में हो रहा है। पहली बार वर्ल्ड कप नवंबर-दिसंबर में हो रहा है। अब यह भी पहली बार होगा, जब पुरुष वर्ल्ड कप में महिला ऑफिशियल होंगी। फीफा ने गुरुवार को 36 रेफरी घोषित किए, जिसमें तीन महिला रेफरी हैं। टूर्नामेंट के लिए तीन महिला असिस्टेंट रेफरी भी शामिल की हैं। इस बार फीफा वर्ल्ड कप का आयोजन 21 नवंबर से 18 दिसंबर तक होगा। सबसे प्रमुख नाम फ्रांस की स्टेफनी फ्रेपार्ट का है। वे चैंपियंस लीग में रेफरी बनने वाली पहली महिला थीं। उनके अलावा रवांडा की सलीमा मुकानसंगा और जापान की योशिमी यामाशिता भी वर्ल्ड कप में रेफरी होंगी। अमेरिका की कैथरीन नेसबिट, मैक्सिको की डेज मेडिना, ब्राजील की नेउजा बेक असिस्टेंट रेफरी होंगी।

पीवी सिंधु थाईलैंड ओपन के क्वार्टर फाइनल में श्रीकांत ने वॉकओवर दिया, 6 शटलर हारकर बाहर

नई दिल्ली

दो बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। जबकि थॉमस कप में ऐतिहासिक गोल्ड जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य किदांबी श्रीकांत ने अपने प्रतिद्वंद्वी को वॉकओवर दे दिया है। वहीं, मालविका बंसोड़ सहित 6 शटलर हारकर बाहर हो गए। इनमें पूर्व चैंपियन साइना नेहवाल, आकर्षि कश्यप, एचएस प्रणय, साई प्रणीत और सौरभ वर्मा शामिल हैं। सिंधु ने सिम यू जिन को हराया छठवीं सीड पीवी सिंधु

ने कोरिया की सिम यू जिन को 21-16, 21-13 से परास्त करते हुए अंतिम-8 में जगह बना ली। जहां उनका दूसरी सीड अकाने यामागुची से होगी। यामागुची कोरिया की किम जा यू को 21-23, 21-15, 21-16 से हराकर टॉप-8 में जगह बनाई। पहले दौर में सिंधु ने अमेरिका की लॉरेम लाम को 21-19, 18-21, 21-18 से मात दी।

पहला गेम हारने के बाद श्रीकांत ने वापसी की:- भारतीय टीम का हिस्सा रहे किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को थाईलैंड ओपन के अपने पहले मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए फ्रांस के ब्राइस लेवेरडेज को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। इंपैक्ट एरीना में आयोजित मुकाबले में श्रीकांत ने पहला गेम 18-21 से हारने के बाद 21-10, 21-16 से वापसी की और थाईलैंड ओपन के ओपनिंग राउंड में जीत दर्ज की।

हम पहले दिन से ही जानते थे कि चटगांव टेस्ट ड्रॉ होगा : धनंजय डीसिल्वा

चटगांव

चटगांव टेस्ट में तीन पारियां भी पूरी नहीं हो पाईं। विपरीत परिस्थितियों से गुज़रे बांग्लादेश और श्रीलंका, दोनों के बल्लेबाज़ी क्रम ने ज़हूर अहमद चौधरी स्टेडियम की सपाट पिच पर रनों की प्यास मिटाने का अच्छा काम किया। भारत में मार्च में खेलते हुए श्रीलंका ने चार पारियों में 208 से अधिक नहीं बनाए थे और वहीं बांग्लादेशी टीम पिछले छह महीनों में चार बार 150 से कम पर ऑल आउट हो चुकी थी। इसमें साउथ अफ़्रीका में पिछले महीने बनाए 53 और 80 भी शामिल हैं। बल्लेबाज़ों ने इस टेस्ट में 44.88 की औसत से तीन शतक और छह अर्धशतक जड़े। कई बार विकेट गुच्छों में गिरे लेकिन आने वाले बल्लेबाज़ों ने पारी को संभाल लिया। श्रीलंका के साथ ऐसा पहले, दूसरे और पांचवे दिन में हुआ और मेज़बान टीम ने भी ऐसा चौथी दिन के दूसरे सत्र में कर

दिखाया। नईम हसन ने पारी में छह विकेट लिए और कसुन रजिता और तैजुल इस्लाम ने चार-चार विकेट लिए लेकिन गेंदबाज़ों के लिए ना तो परिस्थितियां अनुकूल थीं और ना ही चटगांव का मौसम। पिछले साल काइल मेयर्स के अविजित 210 ने वेस्टइंडीज़ को चटगांव में ही अविश्वसनीय जीत दिलाई थी। पिच ने वैसा व्यवहार नहीं किया जैसा बांग्लादेश के गेंदबाज़ों ने उम्मीद की थी। इसी मैदान पर श्रीलंका ने 2014 और 2018 के अपने पिछले दोनों मुक़ाबलों में खूब सारे रन बनाए थे और 2018 में इस पिच को आईसीसी का डिमेरिट अंक भी मिला था। 2016 में इंग्लैंड के ख़िलाफ़ टेस्ट में चटगांव पिच की प्रशंसा हुई थी।

बांग्लादेश ने पिछली बार यहां नवंबर में टेस्ट खेला था और वह टेस्ट भी तीन महीने के सूखे के बाद आया था। हालांकि बांग्लादेश को इस बात की चिंता हो सकती है कि श्रीलंका के यहां पिछले खेले टेस्ट के बाद जो हुआ था वह इतिहास नहीं दोहराया जाए। धनंजय डीसिल्वा ने इस इतिहास की बात करते हुए कहा, हमने बांग्लादेश को ढाका में पहले भी हराया है। हम चटगांव में पहले दिन से जानते थे कि यह मैच ड्रॉ ही होगा। बांग्लादेश के लिए शायद जीतने का कुछ मौक़ा हो सकता था लेकिन हम इस ड्रॉ से काफ़ी संतुष्ट हैं। बांग्लादेशी कप्तान मोमिनुल हक़ ने कहा कि हर बल्लेबाज़ को ढाका में खेलने के लिए कुछ समायोजन करने की ज़रूरत पड़ेगी। उन्होंने कहा, हम साल भर में ढाका और चटगांव में बल्लेबाज़ी करते हैं तो हमें

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

विस्तार के लिए 7 करोड़ तक लोन ले सकते हैं एमएसएमई, इसके लिए 24 महीनों से कंपनी का संचालन जरूरी

नई दिल्ली। स्मॉल इंडस्ट्रीज डेवलपमेंट बैंक ऑफ इंडिया (सिडबी) 'एराइज' पहल के तहत एमएसएमई कैटेगरी की पहले से चल रही कंपनियों (ब्राउनफील्ड यूनिट्स) को बिजनेस बढ़ाने में मदद के लिए आसान शर्तों और रियायती दरों पर लोन दिया जाता है। इसका लाभ 31 जुलाई तक उठाया जा सकता है।

एलिजिबिलिटी

कंपनी का संचालन कम से कम 24 महीनों से हो रहा हो
पिछले ऑडिटेड वित्तीय नतीजे में कंपनी ने नकद मुनाफा दिखाया हो
प्रमोटर का सिबिल स्कोर, कंपनी का कैश मार्जिन रेश्यो अच्छा हो

टारगेट ग्रुप

ऐसे एमएसएमई , जिनका बिजनेस सरकार की प्रायोरिटी वाले और हाई ग्रोथ सेक्टरों में है। इसमें आईटी, हाइड्रोजन फ्यूल, पेट्रोकेमिकल और फूड प्रोसेसिंग जैसे सनराइज सेक्टर शामिल हैं।

लोन की राशि

'एराइज' पहल के तहत 7 करोड़ रुपए तक के लोन मंजूर किए जाते हैं, लेकिन यह पूरी प्रोजेक्ट लागत का अधिकतम 80 फीसदी होना चाहिए।
ब्याज दर: पहले साल के लिए रेपो रेट+1.50 फीसदी से लेकर 2.80 फीसदी तक (फ्लोटिंग)। इसके बाद इंटरनल रेटिंग के हिसाब से।
लोन की अवधि: 7 साल तक
मोरेटोरियम: 2 साल तक

एचसीएल टेक 'नियरशोर' गंतव्यों पर कर्मचारियों की संख्या को दोगुना करेगी

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी एचसीएल टेक ने अगले तीन से पांच वर्षों के दौरान 'नियरशोर' गंतव्यों पर अपने कर्मचारियों की संख्या को दोगुना करने की योजना बनाई है। कोई कंपनी जब अपने देश के बजाय समान समय वाले किसी पड़ोसी देश को आउटसोर्सिंग करती है, उसे 'नियरशोर' कहा जाता है। एचसीएल टेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सी विजयकुमार ने बताया कि रूस और यूक्रेन के बीच सैन्य संघर्ष से यूरोप में कंपनी की सेवाओं की मांग पर कोई असर नहीं पड़ा है। एचसीएल टेक के वैश्विक स्तर पर अपने सभी कार्यालयों में लगभग 10,000 कर्मचारी हैं। विजयकुमार ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमें उम्मीद है कि अगले 3-5 साल में कर्मचारियों की संख्या दोगुना हो जाएगी।'' उन्होंने कहा कि कंपनी मेक्सिको, टोरंटो, वैंकूवर, कोस्टा रिका और रोमानिया समेत 20 'नियरशोर' स्थानों से अपने कारोबार का संचालन करती है और इन स्थानों पर कर्मचारियों की संख्या में विस्तार जारी रहेगा।

पूंजी की कमी के फिक्र से कार्स24, वेदांतु में छंटनी

नई दिल्ली

मूल्यांकन घटने, धन जुटाने के चरण सुस्त होने और आईपीओ में देरी होने के बाद अब कर्मचारियों की छंटनी की बारी है। हाल में ऐसा करने वाली कंपनी सॉफ्टबैंक समर्थित कार्स24 है, जो पुराने वाहनों की प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म है। मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि कार्स24 ने 600 कर्मचारी निकाल दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद धन जुटाने में मंदी आने और निवेशकों में सतर्कता बढऩे के बीच नकदी बचाना है। इस बारे में जानकारी जुटाने के लिए किए गए फोन का कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया। सूत्रों के मुताबिक छंटनी विभिन्न विभागों और पदों पर हुई है और कंपनी के कुल 9,000 कर्मचारियों में से 6 फीसदी से ज्यादा हटा दिए गए हैं। कार्स24 ने छंटनी की पुष्टि की लेकिन नौकरी से निकाले गए लोगों की संख्या बताने से इनकार कर दिया। कंपनी ने एक बयान में कहा कि यह प्रदर्शन से जुड़ी सामान्य छंटनी है, जो हर साल होती है। कार्स24 अब वेदांतु, अनअकैडमी और मीशो जैसी उन स्टार्टअप की फेहरिस्त में शामिल हो गई है, जिन्होंने कर्मचारियों की छंटनी की है। इस सप्ताह शिक्षा तकनीक क्षेत्र की यूनिकॉर्न वेदांतु ने 424 कर्मचारियों यानी अपने कुल कर्मचारियों में से 7 फीसदी को नौकरी से निकाला था। बेंगलूरु की इस कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट के जरिये यह जानकारी दी थी। विशेषज्ञों के मुताबिक इस कदम को महामारी के बीच शिक्षा तकनीक क्षेत्र में मुनाफे, एकीकरण और लागत में कटौती पर ध्यान देने के रूप में देखा जा रहा है। कंपनी ने इस छंटनी से कुछ दिन पहले ही 200 कर्मचारी निकाले थे, जिनमें ठेके पर रखे कर्मचारियों के साथ पूर्णकालिक कर्मचारी भी शामिल थे। वेदांतु के सीईओ और सह-संस्थापक वंसी कृष्णा ने कहा कि बाहरी माहौल दिक्कतों भरा है। उन्होंने कहा कि यूरोप में युद्ध, मंदी

की चिंता और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी से महंगाई बढ़ी है, जिस कारण दुनिया भारत में शेयरों में भारी गिरावट आई है। पिछले महीने शिक्षा तकनीक यूनिकॉर्न अनअकैडमी ने करीब 600 कर्मचारियों की छंटनी की थी, जो उसके कुल कर्मचारियों के करीब 10 फीसदी थे। सॉफ्टबैंक समर्थित कंपनी ने पूरे संगठन में स्थायी, अस्थायी कर्मचारियों और शिक्षकों की छंटनी की थी। अनअकैडमी ने मार्च में संगठन में पुनर्गठन% के बीच अपनी प्रेपलैडर टीम से 100 से अधिक कर्मचारियों को निकाला था। बैजूज के स्वामित्व वाली शिक्षा तकनीक स्टार्टअप व्हाइटहैट जूनियर के 800 से अधिक कर्मचारी वापस दफ्तर बुलाए जाने के बाद पिछले दो महीनों में इस्तीफा दे चुके हैं।
फरवरी में शिक्षा तकनीक स्टार्टअप लिडो ने काम बंद कर दिया था, जिसके बाद कर्मचारियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के जरिये मदद मांगी थी। असल में कंपनियों के लिए पूंजी की किल्लत बने रहने के आसार हैं। विभिन्न भारतीय कंपनियों को वित्त मुहैया कराने वाले वैश्विक तकनीक निवेशक सॉफ्टबैंक समूह ने इस महीने कहा कि उसे अपनी विजन फंड की इकाई में 26 अरब डॉलर से अधिक का रिकॉर्ड नुकसान हुआ है क्योंकि उसके पोर्टफोलियो का मूल्य घट गया है। सॉफ्टबैंक के संस्थापक और सीईओ मासायोशी सोन ने कहा कि इस साल कंपनी पिछले साल की तुलना में केवल आधा या एक चौथाई ही निवेश कर सकती है। सॉफ्टबैंक ने साल में 13.12 अरब डॉलर का शुद्ध घाटा दर्ज किया है। सोन ने एक कंपनी वेबकास्ट में कहा, %कोई नहीं जानता कि इस तरह के बाजार में कल क्या होगा, इसलिए हमें बुरे दौर के लिए खुद को तैयार करना होगा। हम खुद को बचाव की मुद्रा में लाना और हाथ में नकदी जमा करना चाहते हैं। हम नया पैसा निवेश करते समय ज्यादा सतर्कता बरतेंगे।% उन्होंने कहा, %हमारे पास बहुत सी कंपनियों से निकासी से काफी धन आया है। दुनिया में उठापटक है। महंगाई दुनिया भर में बढ़ रही है। इससे महंगाई दर बढ़ेगी, जिससे बाजार में शेयर की कीमतें गिरेंगी।

रिकॉर्ड निचले स्तर पर रुपया, आने वाले दिनों में 79 तक जा सकता है

डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे कमजोर होकर 77.72 पर पहुंचा

मुंबई

डॉलर के मुकाबले रुपया गुरुवार को रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। ये 10 पैसे कमजोर होकर 77.72 पर बंद हुआ। रुपया 77.72 पर खुला था और दिनभर के कारोबार में इसने 77.76 का निचला और 77.63 का उच्चतम स्तर बनाया। इससे पहले बुधवार को ये 18 पैसे कमजोर होकर 77.62 पर बंद हुआ था। आईआईएफएल सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता ने कहा, ग्लोबल कंडीशंस को देखते हुए आने वाले दिनों में रुपया कमजोर होकर 79 तक पहुंच सकता है।

कैसे तय होती है करेंसी की कीमत?

करेंसी के उतार-चढ़ाव के कई कारण होते हैं। डॉलर की तुलना में किसी भी अन्य करेंसी की वैल्यू घटे तो इसे उस करेंसी का गिरना, टूटना, कमजोर होना कहते हैं। अंग्रेजी में - करेंसी डेप्रिशिएशन। हर देश के पास विदेशी मुद्रा का भंडार होता है, जिससे वह अंतरराष्ट्रीय लेन-देन करता है। विदेशी मुद्रा भंडार के घटने और बढ़ने से उस देश की मुद्रा की चाल तय होती है। अगर भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर, अमेरिका के रुपयों के भंडार के बराबर है तो रुपए की कीमत स्थिर रहेगी। हमारे पास डॉलर घटे तो रुपया कमजोर होगा, बढ़े तो रुपया मजबूत होगा।

कहां नुकसान या फायदा?

नुकसान- कच्चे तेल का आयात महंगा होगा, जिससे महंगाई बढ़ेगी। देश में सब्जियां और खाद्य पदार्थ महंगे होंगे। वहीं भारतीयों को डॉलर में पेमेंट करना भारी पड़ेगा। यानी विदेश घूमना महंगा होगा, विदेशों में पढ़ाई महंगी होगी।
फायदा: निर्यात करने वालों को फायदा होगा, क्योंकि पेमेंट डॉलर में मिलेगा, जिसे वह रुपए में बदलकर ज्यादा कमाई कर सकेंगे। इससे विदेश में माल बेचने वाली ड्रग्ज और फार्मा कंपनी को फायदा होगा।

करेंसी डॉलर-बेस्ड ही क्यों और कब से?

फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में अधिकांश मुद्राओं की तुलना डॉलर से होती है। इसके पीछे द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान हुआ 'ब्रेटन वुड्स एग्रीमेंट' है। इसमें एक न्यूट्रल ग्लोबल करेंसी बनाने का प्रस्ताव रखा गया था। हालांकि, तब अमेरिका अकेला ऐसा देश था जो आर्थिक तौर पर मजबूत होकर उभरा था। ऐसे में अमेरिकी डॉलर को दुनिया की रिजर्व करेंसी के तौर पर चुन लिया गया।

कैसे संभलती है स्थिति?

मुद्रा की कमजोर होती स्थिति को संभालने में किसी भी देश के केंद्रीय बैंक का अहम रोल होता है। भारत में यह भूमिका रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की है। वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार से और विदेश से डॉलर खरीदकर बाजार में उसकी मांग पूरी करने का प्रयास करता है। इससे डॉलर की कीमतें रुपए के मुकाबले स्थिर करने में कुछ हद तक मदद मिलती है।

सीमेंट कारोबार के बाद अडाणी की हेल्थकेयर क्षेत्र में एंट्री, बनाई कंपनी

अडाणी का नया इनीशिएटिव

नई दिल्ली

एशिया के सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अडाणी सीमेंट कारोबार के बाद अब हेल्थकेयर सेक्टर में उतरने को तैयार हैं। इसके लिए अडाणी एंटरप्राइजेस की सब्सिडियरी अडाणी हेल्थ वेंचर्स लिमिटेड कंपनी बनाई गई है। इसे 17 मई को बनाया गया। एएचवीएल चिकित्सा और जांच सुविधाओं की स्थापना व संचालन के अलावा, हेल्थ टेक्नोलॉजी आधारित सुविधाओं, रिसर्च सेंटर्स आदि की स्थापना करेगी। ग्रुप हेल्थकेयर सेक्टर में करीब 31,088 करोड़ रुपए का निवेश कर सकता है। अडाणी ग्रुप और पीरामल हेल्थकेयर सरकारी फार्मा कंपनी एचएलएल हेल्थकेयर को खरीदने की होड़ में हैं।
अडाणी हेल्थ वेंचर्स है नाम:- अडाणी हेल्थ वेंचर्स लिमिटेड हेल्थकेयर से संबंधित कारोबार करेगी। इसमें मेडिकल और डायग्नोस्टिक सेवाएं भी शामिल होंगी। यह मेडिकल और मेडिकल टेस्ट से संबंधित सेवाएं देने के साथ ही हेल्थ टेक सुविधाएं भी देगी। इसके रिसर्च सेंटर भी होंगे और मेडिकल से जुड़ी अन्य सेवाएं भी यह कंपनी देगी।

सीमेंट क्षेत्र में उतरने की भी घोषणा

अडाणी ग्रुप ने अपनी फाइलिंग में कहा है कि यह हेल्थकेयर कंपनी आने वाले समय में अपना संचालन शुरू करेगी। हालांकि, कंपनी की ओर से कारोबार शुरू करने के समय के बारे में नहीं बताया गया है। इस ऐलान के ठीक एक दिन पहले समूह ने अंबुजा सीमेंट्स और एसीसी के अधिग्रहण की घोषणा की थी। स्विट्जरलैंड के होलसिम समूह से अडाणी समूह ने इन दोनों कंपनियों में बड़ी हिस्सेदारी खरीदी है। इस अधिग्रहण के पूरा होते ही अडाणी समूह देश का दूसरा सबसे बड़ा सीमेंट उत्पादक बन जाएगा।

75 जिलों में डिजिटल बैंकिंग यूनिट शुरू होगी इससे कैश से जुड़े ट्रांजैक्शन नहीं कर पाएंगे

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की आजादी के 75 साल पूरे होने पर 75 जिलों में 75 डिजिटल बैंकिंग यूनिट का उद्घाटन करेंगे। इसे 15 अगस्त को लॉन्च किया जा सकता है। ये यूनिट पूरी तरह से पेपरलेस होंगी। आज हमें डिजिटल बैंकिंग यूनिट क्या होती है? इसकी मदद से क्या कर पाएंगे, ये कहां बनाई जाएगी जैसे सवालों का जवाब बैंकबाजार.कॉम के सीईओ आदिल शेट्टी दे रहे हैं। कॉमर्शियल बैंक जो पहले से ही डिजिटल बैंकिंग कर रहे हों, अब डिजिटल बैंक यूनिट भी चला सकेंगे। यह बैंक फिजिकल

होंगे, यानी इन यूनिट्स में आप जा सकेंगे पर इनकी सेवाएं पूरी तरह डिजिटल होंगी।

इन यूनिट में क्या-क्या कर सकते हैं?

यह यूनिट आम बैंक ब्रांचों से अलग होंगी। आरबीआई के अनुसार इन्हें कम से कम बचत और चालू खाते, फिक्स्ड और रिकरिंग डिपाजिट, मेट्रो और ट्रांजिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग, डेबिट और क्रेडिट कार्ड, लोन, भीम क्यूआर कोड जैसी सेवाएं देनी होंगी। वह सारी चीजें जो आप नेट बैंकिंग पर कर सकते हैं, यहां भी कर पाएंगे ऐसी अपेक्षा है। जरूरी बात ये है कि यहां कैश वाला कोई काम नहीं होगा।

25 हजार रुपये वेतन वाले अव्वल श्रेणी में

अगर आप साल में तीन लाख रुपये कमाते हैं तो भारत में वेतन पाने वालों की शीर्ष 10 प्रतिशत आबादी में आपके शामिल होने के लिए यह पर्याप्त है। ये आंकड़े एक वैश्विक प्रतिस्पर्धा पहल संस्था, इंस्टीट्यूट फॉर कॉम्पिटिटिवनेस की भारत इकाई द्वारा तैयार की गई %भारत में असमानता की स्थिति% की रिपोर्ट का हिस्सा है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष विवेक देबरॉय ने बुधवार को इसका विमोचन किया। इसने असमानता को कम करने के साधन के रूप में शहरी बेरोजगारी और सार्वभौमिक बुनियादी आमदनी के लिए एक योजना की सिफारिश की थी।
असमानता रिपोर्ट से जुड़े आंकड़ों पर गौर करने पर अंदाजा मिलता है कि किसी के काम की प्रकृति भी आमदनी में अंतर ला सकती है। आमदनी बढऩे के साथ ही वेतन पाने वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी बढ़ जाती है जबकि अपना रोजगार करने वालों की हिस्सेदारी कम हो जाती है। इसमें बताया गया है कि एक लाख रुपये या उससे कम की वार्षिक आमदनी वाले लोगों में

नियमित वेतन पाने वाले श्रमिकों की औसत हिस्सेदारी 18.43 प्रतिशत थी। एक लाख रुपये से अधिक की वार्षिक आमदनी वाले लोगों में नियमित वेतन वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी बढ़कर 41.59 प्रतिशत हो गई है। सालाना आमदनी के तौर पर 1 लाख रुपये से अधिक कमाने वालों में से 43.99 प्रतिशत स्व-रोजगार करने वाले शामिल थे। इसके अलावा एक साल में 1 लाख रुपये से कम कमाने वाले स्व-नियोजित श्रमिकों की औसत तादाद 63.3 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2019-20 के आंकड़ों पर भी गौर किया है और इससे यह निष्कर्ष निकला है कि हर महीने रोजाना 25,000 रुपये कमाने वाले एक श्रमिक को भारत में वेतन पाने वालों की शीर्ष 10 प्रतिशत की श्रेणी में रखा जाएगा। इसमें कहा गया है, %अगर वेतन पाने वालों की शीर्ष 10 प्रतिशत की श्रेणी में इतनी राशि शामिल है तब सबसे निचले स्तर की नीचे की स्थिति की कल्पना नहीं की जा सकती है। विकास के फायदे का वितरण समान रूप से किया जाना चाहिए। बिज़नेस स्टैंडर्ड ने आयकर के आंकड़ों का भी जायजा लिया ताकि यह देखा जा सके कि वेतन की आय का वितरण किस तरह किया जा सकता है।
आयकर के आंकड़ों में श्रेणियां व्यापक हैं। गैर-शून्य वेतन रिटर्न दाखिल करने वालों में निचले स्तर के 50 प्रतिशत लोगों की कुल वेतन आमदनी में केवल 22 प्रतिशत की हिस्सेदार रही। यह आकलन वर्ष 2018-19 के रिटर्न में वेतन आय पर आधारित है। आकलन वर्ष, उस वित्तीय वर्ष के एक वर्ष बाद आता है जिसमें आय कमाई जाती है। इसलिए यह वित्त वर्ष 2017-18 के लिए आय के अनुरूप होगा। यह वर्ष 2012-13 के आकलन वर्ष के लिए समान था जो वित्त वर्ष 2012 के अनुरूप है। निचले स्तर की 48 प्रतिशत आबादी को कुल वेतन आय का 18 प्रतिशत मिला। विस्तृत डेटा की कमी के कारण वित्त वर्ष 2018 के लिए सटीक तुलना संभव नहीं हो पाई। हालांकि, व्यापक आय श्रेणियों के बारे में कुछ जानकारी मिली है। आयकर रिटर्न दाखिल करने वालों की हालत बेहतर है। राज्य की असमानता रिपोर्ट के मुताबिक देश के सभी कामगारों को 3 लाख रुपये की वेतन कमाई के आंकड़े की बदौलत शीर्ष 10 प्रतिशत की श्रेणी में रखा जा सकेगा। लेकिन वित्त वर्ष 2018 तक 70 प्रतिशत से अधिक वेतन वाले कर्मचारी हर साल 3.5 लाख रुपये से अधिक कमाते हैं। इसका एक बड़ा हिस्सा 3.5 लाख रुपये से 10 लाख रुपये की श्रेणी तक ही केंद्रित है। कुल दाखिल किए गए आयकर रिटर्न में उनकी हिस्सेदारी 56.9 प्रतिशत हैं। केवल 2.3 प्रतिशत ही 25 लाख रुपये या उससे अधिक कमाते हैं। पीएलएफएस के विभिन्न चरण के आंकड़ों की जांच करने वाली रिपोर्ट के अनुसार मजदूरी में असमानता बढ़ रही है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलेपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)